mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-227 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
17 अगस्त 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

तेलंगाना सीएम बोले- बीआरएस ने सरकार गिराने के लिए तंत्र-मंत्र कराया

संगारेड्डी,एजेंसी। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने शनिवार को भारतीय राष्ट्र समिति (BRS) नेताओं पर कांग्रेस सरकार को बदनाम करने के लिए तंत्र-मंत्र कराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नेताओं ने राज्य में सूखा, किसानों की परेशानी और कांग्रेस सरकार के गिरने की प्रार्थना की।

उन्होंने बिना नाम लिए BRS विधायक टी. हरीश राव पर कर्नाटक और तमिलनाडु के मंदिरों में जाकर तंत्र-मंत्र कराने का आरोप लगाया। सीएम ने यह बात संगारेड्डी में एक कार्यक्रम में कही।

तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ ने भी 4 अगस्त को आरोप लगाया था कि हरीश राव ने राज्य में बारिश रोकने के लिए क्षुद्र पूजा (तंत्र-मंत्र) की थी।

केरल वाइस चांसलर बोले-वंदे मातरम विरोधी मां को नही जानते

माता-पिता बच्चों को आदर्श नागरिक बनाएं

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर मोहनन कन्नुम्मल ने शनिवार को कहा कि जो लोग वंदे मातरम का विरोध करते हैं, वे नहीं जानते कि उनकी मां कौन हैं। देश को मदर इंडिया कहा जाता है और इसी सोच से वंदे मातरम का संबंध है। कन्नुम्मल ने यह बयान तिरुवनंतपुरम के मणिविला में आरएसएस के युवा सम्मेलन में दिया। छात्र संगठनों एसएफआई और केएसयू ने कन्नुम्मल पर यूनिवर्सिटी मेंआरएसएस का एजेंडा आगे बढ़ाने का आरोप लगाया है।

वाइस चांसलरों पर आरएसएस का एजेंडा बढ़ाने का आरोप: कन्नुम्मल का यह बयान ऐसे समय आया है, जब केरल में यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलरों की आरएसएस से नजदीकी को लेकर राजनीतिक विवाद चल रहा है।

केरल के राज्यपाल ने कन्नुम्मल की वाइस चांसलर पद पर नियुक्ति पर लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (LDF) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) ने सवाल उठाए हैं। दोनों गठबंधनों ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को भगवा रंग देने की कोशिश का आरोप लगाया है।

शाह बोले: सोनिया जी आपके पाप को जनता माफ नहीं करेगी

● वंदे मातरम कैसे रोका, हम सबने देखा ● शर्म बची है तो देश से माफी मांगें

निंबाहेड़ा (चित्तौड़गढ़), एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुला दिया था। वंदे मातरम के 150वें साल पर पीएम मोदी ने लाल किले से वंदे मातरम को सम्मान वापस दिलाने का काम किया है। शाह ने राजस्थान के निंबाहेड़ा में कहा, कांग्रेस की निर्लज्जता देखिए... कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। चालू गान में कांग्रेस की नेत्री सोनिया जी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। हम सब टीवी पर देखते रहे। 80 साल के बाद बंकिम बाबू (बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय) का यह गान फिर से सम्मान प्राप्त कर रहा है, वो भी सोनिया जी को रास नहीं आता।

सोनिया जी 140 करोड़ की जनता आपको देख रही है। आपके द्वारा किया गया ये पाप इस देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेसियों में जरा भी शर्म बची है तो हाथ जोड़कर बंकिम बाबू की अमर आत्मा और जनता से माफी मांगनी चाहिए।

राजस्थान दौरे पर आए अमित शाह ने निंबाहेड़ा में पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने चित्तौड़गढ़ समेत 15 जिलों के 5659 करोड़ के 944 कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। एक प्लेटफॉर्म पर वाजपेयी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में हुए पोकरण परमाणु परीक्षण की झलक दिखाई गई है। दूसरे प्लेटफॉर्म पर उन्हें अलग-अलग मुद्राओं में भाषण देते हुए दिखाया गया है।

4 हजार किलो की है वाजपेयी की प्रतिमा... निंबाहेड़ा में वाजपेयी की प्रतिमा जेके सर्किल पर बनाए गए मिनी अटल स्मारक पर है। यह प्रतिमा 4 हजार किलो अष्टधातु से बनी है। इसे 8 फीट ऊंचे प्लेटफॉर्म पर लगाया गया है। जयपुर के कारीगरों ने इसे तैयार किया है। प्रतिमा के साथ ही दो और प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं।

बंगाल- पूर्व डिप्टी स्पीकर ने टीएमसी ऑफिस में फांसी लगाई

● सुसाइड नोट में लिखा- भ्रष्टाचार नहीं किया ● मुझे बदनाम करने की कोशिश

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बनर्जी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार सुबह बीरभूम जिले के टीएमसी ऑफिस में उनका शव फांसी के फंदे से लटका मिला। आशीष बनर्जी रामपुरहाट के वार्ड नंबर-5 के हत्तलापारा इलाके में रहते थे। उनके घर के पास ही तृणमूल कांग्रेस का पार्टी ऑफिस था।

पुलिस के मुताबिक, 16 अगस्त की सुबह कार्यालय से एक सुसाइड नोट भी मिला। जिसमें लिखा कि उन्होंने भ्रष्टाचार नहीं किया, उन्हें बदनाम करने की कोशिश की गई।

आशीष बनर्जी टीएमसी के पूर्व विधायक भी थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आशीष ने लिखा कि उनकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है और उन्होंने राजनीति में आने पर अफसोस जताया।

सुसाइड नोट में रेत टेंडर का जिक्र, लिखा- कोई पैसे नहीं लिए... आशीष का जो सुसाइड नोट सामने आया है उसमें उन्होंने किसी रेत के टेंडर का जिक्र किया है। आशीष ने लिखा कि उन्होंने कभी भ्रष्टाचार नहीं किया और किसी काम के बदले पैसे नहीं लिए। TRDA (तारापीठ-रामपुरहाट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के टेंडर, प्लान पास करने, NOC और चेक से जुड़े मामलों में उनकी कोई भूमिका नहीं है।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर मोदी बोले:

दिमागी नसलियों को पहचानें, उन्हें अलग करें,ये समाज को भटका रहे

» महिलाओं के आरक्षण पर पार्टियां राजनीति न करें

नई दिल्ली,एजेंसी। 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने लाल किले पर 75 मिनट की स्पीच दी। पीएम ने कहा- 'हथियारी नक्सल तो चले गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं। समाज को गलत राह पर ले जाने के लिए तरह-तरह के काम कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'ऐसे लोग हिंसा अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। इन दिमागी नक्सलियों को पहचानना होगा और इन्हें आइसोलेट करना होगा और विकसित राष्ट्र बनाने की ओर देश की युवा पीढ़ी को जोड़ना होगा।'

पीएम ने 75 मिनट के भाषण में 52 बार युवाओं का जिक्र किया। इसमें 'युवा' शब्द 20 बार, 'नौजवान' 22 बार और 'साथियों' 10 बार कहा।

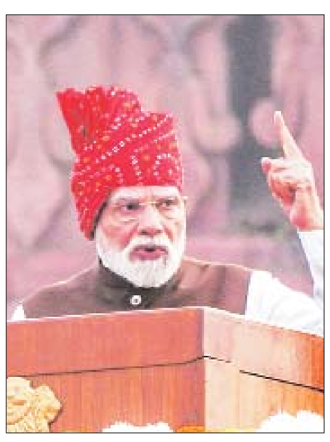

पीएम ने कहा कि सरकार अगले एक साल में 1 करोड़ युवाओं को ढ्ढ स्किल्स की ट्रेनिंग देगी। गरीब और मिडिल क्लास परिवारों के युवाओं के लिए कई परीक्षाओं की फ्री ऑनलाइन कोचिंग दी जाएगी।

भारत ग्रीन मूवमेंट का सामर्थ्य लेकर चल रहा है: पीएम ने कहा- सप्तधारा की छठी शक्ति है ग्रीन इकोनॉमी और ब्लू इकोनॉमी। हमें ग्रीन हाइड्रोजन, रिन्यूबल एनर्जी, एनर्जी स्टोरजे, ग्रीन मोबालिटी, ग्रीन मैन्यूफैक्चरिंग इन ग्लोबल स्केल को पाकर रहना है। हम समस्याओं का समाधान दे रहे हैं। भारत ग्रीन मूवमेंट का सामर्थ्य लेकर चल रहा है।

ब्लू इकोनॉमी के लिए हमारे पास लंबा कोस्ट लाइन, फिशरीज , कोस्टल टूरिज्म, कोस्टल टेक्नोलॉजी है इन क्षेत्रों में हम आगे बढ़ सकते हैं।

आज जमाना डेटा सेंटर, एआई, क्वांटम का है: पीएम ने कहा- सप्तधारा की तीसरी शक्ति है टेक्नोलॉजी और इनोवेशन। आज जमाना डेटा सेंटर, एआई, क्वांटम का है। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी भी हमें चुनौती दे रही हैं। हमें इनोवशन का हब बनना है। भारत की डिजिटल पब्लिक टेक्नोलॉजी को दुनिया के कोने कोने तक पहुंचाना है। हमें इसके लिए प्रयास करने चाहिए।

मोदी बोले- योग ने पूरी दुनिया को भारत के साथ जोड़कर रखा... पीएम ने कहा– सप्तधारा की सातवीं शक्ति है भारत का सॉफ्ट पॉवर । इसकी ताकत है। योग ने पूरी दुनिया को भारत के साथ जोड़कर रखा है। भारत के पास आस्था के केंद्र हो, आर्युवेद हो, होलिस्टिक हेल्थकेयर, हील इन का मूवमेंट हो, हैंडीक्राफ्ट, संस्कृति, फिल्में, गेमिंग, क्रिएटिव वर्ल्ड हो, वीएफएक्स, एनिमेंशन, डिजिटल कंटेंट हो। इसमें हम अपना रुतब दिखा सकते हैं। हमें इसको वैश्विक सामर्थ्य के रूप में विकसित करना होगा। दुनिया आज भारत का वर्ल्ड ऑडियो विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट का इंतजार करती है।

मोदी के बयान पर पलटवार

चिदंबरम बोले: दिमागी नक्सली होने पर उन्हें गर्व

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के सीनियर लीडर पी. चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'दिमागी नक्सली' बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, 'मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है। '

चिदंबरम ने यह प्रतिक्रिया मोदी के बयान के एक दिन बाद दी। 15 अगस्त को लाल किले से संबोधन के दौरान पीएम ने कहा था कि देश को दिमागी नक्सलियों से बचना चाहिए। मोदी ने नागरिकों से ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें अलग-थलग करने की अपील की थी।

कांग्रेस ने दिमागी नक्सल को खोखला बताया: कांग्रेस ने मोदी के बयान पर कहा कि दिमागी नक्सल खोखला है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पहले जाति जनगणना की मांग को अर्बन नक्सल सोच बताकर खारिज किया गया था, लेकिन एक साल पहले जाति आधारित जनगणना की घोषणा कर दी गई। उन्होंने कहा कि पहले विरोधियों की मांगों को अपमानजनक नाम दिए जाते हैं, फिर बाद में उन्हीं मांगों को मान लिया जाता है। 12 साल बाद भी उनके राजनीतिक भाषण में कुछ नया नहीं था।

पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी।। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सुबह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समाधि स्थल 'सदैव अटल' पहुंचे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स हैंडल पर शब्द चित्र साझा करते हुए लिखा, '' आज सुबह 'सदैव अटल' जाकर अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत की प्रगति में उनकी भूमिका अद्वितीय है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले की पोस्ट में कहा, ''वे एक असाधारण राजनेता थे। उनकी दूरदृष्टि अद्वितीय थी तथा उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि वाजपेयी के शब्दों और प्रयासों ने पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने देश को मजबूत किया। वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था।उन्होंने 16 अगस्त 2018 को नई दिल्ली में अंतिम सांस ली। वह प्रधानमंत्री बनने वाले भारतीय जनता पार्टी के पहले नेता हैं । प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, ''अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूं। वह एक असाधारण राजनेता थे, जिनकी दूरदृष्टि अद्भुत थी। उन्होंने अपना जीवन हमारे राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''सुशासन और जनकल्याण पर उनका जोर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी अपने शिखर पुरुष और पूर्व अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी का पुण्य स्मरण करते हुए एक्स हैंडल पर लिखा, '' भारतीय राजनीति के युगपुरुष, असंख्य भाजपा कार्यकर्ताओं के पथ प्रदर्शक एवं हमारे प्रेरणा स्रोत पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।''

वाराणसी एयरपोर्ट पर गोली चली, 2 कर्मचारी घायल

● शिवसेना नेता पिस्टल की जांच करा रहा था, तभी फायर हुआ

वाराणसी/आजमगढ़,एजेंसी। वाराणसी एयरपोर्ट पर रविवार सुबह हथियार की जांच के दौरान एक यात्री से गोली चल गई। इससे महिला समेत दो कर्मचारी घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए न्यू लक्ष्मी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया।

घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई। यात्री कमलेश राय पत्नी के साथ एअर इंडिया एक्सप्रेस की IX-1810 फ्लाइट से मुंबई जा रहे थे। उन्होंने विमान में ले जाने वाले हथियार को पहले ही डिक्लेयर किया था।

हथियार की जांच के दौरान उससे एक राउंड फायर हो गया। स्थानीय पुलिस को सूचना दे दी गई है। यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

आजमगढ़ के रहने वाले कमलेश शिवसेना नेता हैं। मुंबई में पूर्व पार्षद रह चुके हैं। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और धनंजय सिंह के साथ तस्वीरें डाल रखी है।

यात्री ने पिस्टल की सूचना पहले ही दे दी थी: वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (बाबतपुर) के डायरेक्टर पुनीत गुप्ता ने बताया- कमलेश अपनी पत्नी के साथ 11.30 बजे की एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से मुंबई जाने वाले थे। उनके पास लाइसेंसी पिस्टल थी। जांच के दौरान उनसे एक राउंड फायर हो गया। गोली पहले फर्श से टकराई और फिर पास में मौजूद महिला कर्मचारी गया, बिहार निवासी सुमन (32) की जांघ में लगी। गोली के छर्रे रोहित राज के हाथ में लगे। दोनों खून से लथपथ हो गए। दोनों को तुरंत ही अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

स्वतंत्रता दिवस के चलते एयरपोर्ट को 11 से 20 अगस्त तक हाईअलर्ट जोन घोषित किया गया था। इसके बावजूद फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया है। एडीसीपी गोमती जोन समेत पुलिस अधिकारी और इंटेलीजेंस की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

कमलेश मुंबई में पूर्व पार्षद रह चुके, आजमगढ़ में कॉलेज चलाते हैं... आजमगढ़ के जीयनपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले कमलेश का बेटा मुंबई में मौजूदा नगरसेवक (पार्षद) है। उनकी मां प्रधान हैं। हमेशा दो बॉडीगार्ड साथ लेकर चलते हैं। कमलेश का आजमगढ़ में बाबू शिव पत्थर राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय है।

डोभाल का खुलासा: आतंकी आसमान में हों या पाताल में... छोड़ना

● पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी ने दिए थे कड़े निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर के पीछे की रणनीतिक सोच के बारे में पहली बार विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किए गए 88 घंटे के सैन्य अभियान के लिए भारत ने कैसे अपने लक्ष्य तय किए और इसके लिए जिम्मेदार आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने की योजना बनाई। पहलगाम नरसंहार के बाद के तनावपूर्ण माहौल को याद करते हुए डोभाल ने प्रधानमंत्री मोदी की उस तत्काल प्रतिक्रिया का विवरण दिया जब उन्होंने अपनी विदेश यात्रा बीच में ही छोड़ दी थी।

हम आतंकियों को माफ नहीं करेंगे: डोभाल ने पीएम मोदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा, 'एयरपोर्ट पर ही हमारी बैठक हुई। सबसे पहले वह सभी तथ्य जानना चाहते थे और फिर उनका मुझसे पहला सवाल था कि यह किसने किया है। हम उनके पीछे जाएंगे। चाहे वे जमीन पर हों, आसमान में हों या पाताल में... वे जहां भी हों, हम उन्हें माफ नहीं करेंगे। '

अजीत डोभाल ने कहा, 'हमारी खुफिया एजेंसियों का धन्यवाद... उन्होंने शानदार काम किया और बहुत कम समय में हम दोषियों की पहचान करने और सटीक कार्रवाई करने में सफल रहे।' पहलगाम हमले के जवाब की योजना बनाने वालों में से एक माने जाने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने संकेत दिया कि भारत किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार था।

हम खून की आखिरी बूंद तक लड़ते: डोभाल ने कहा, 'एक बार जब यह शुरू हो जाता है तो हम किसी देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए जितनी दूर तक जाना पड़े, जाने को तैयार रहते हैं... और इसकी कोई सीमा नहीं होती। हम खून की आखिरी बूंद तक लड़ते हैं। भारत के अधिक सहनशील होने को उसकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने पुष्टि की कि जिन आतंकवादियों ने आस्था के आधार पर लोगों को निशाना बनाया था, उन्होंने देश की सहनशीलता की सीमा को पार कर दिया था। दोषियों ने भारतीय नेतृत्व को चुनौती देते हुए दुस्साहसपूर्ण ढंग से ललकारा था।

हम बर्दाश्त नहीं कर सकते... एनएसए ने याद करते हुए बताया, 'उन्होंने (पहलगाम के आतंकवादियों ने) पीड़ितों से कहा था कि जाकर मोदी से कह दो कि वह जो कर सकते हैं, कर लें।' डोभाल ने कहा कि भारत ने शुरुआत में ही तय कर लिया था कि यह अभियान पहलगाम हमले से जुड़े दुश्मन के कैंपों को नष्ट करने पर केंद्रित होगा। यह हमला 22 अप्रैल, 2025 को हुआ था और इसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी।

ईरान से समझौते को लेकर खाड़ी देश ट्रम्प से नाराज

बातचीत का नतीजा नहीं निकलने से सहयोगी देशों की बेचैनी बढ़ी

वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। ईरान के साथ समझौते की अमेरिकी कोशिशों से उसके कुछ खाड़ी सहयोगी निराश हैं। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इन देशों को लग रहा है कि लंबे समय से बातचीत चलने के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच अब तक कोई पक्का समझौता नहीं हो पाया है।

हालांकि, व्हाइट हाउस ने खाड़ी देशों के ट्रम्प से नाराज होने की खबरों को खारिज किया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ट्रम्प के खाड़ी देशों के नेताओं के साथ अच्छे रिश्ते हैं और युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका लगातार उनके संपर्क में है।

ट्रम्प ने फिलहाल ईरान पर नए हमले की तैयारी से इनकार किया: एक्सियोस के मुताबिक, ट्रम्प ने पिछले हफ्ते कहा था कि अमेरिका फिलहाल ईरान पर नए हमले की तैयारी नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका

होर्मुज स्ट्रेट खोलने पर अटका समझौता... अमेरिका और ईरान की बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट अहम मुद्दा बना हुआ है। ट्रम्प चाहते हैं कि होर्मुज स्ट्रेट तुरंत और पूरी तरह खोला जाए। वहीं, ईरान की मांग है कि अमेरिका पहले अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटाए और ईरान के पास तैनात अमेरिकी सैनिकों को पीछे करे।

शाह रुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को एफडीए का नोटिस

» 'पान मसाला' के एड पर लिया एक्शन

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आरोप है कि इलायची का विज्ञापन वास्तव में प्रतिबंधित पान मसाला का अप्रत्यक्ष प्रचार करता है। यह नोटिस 14 अगस्त को तीनो एक्टर्स को भेजे गए हैं। शाहरुख खान को उनके बांद्रा स्थित आवास मन्नत, अजय देवगन को जुहू स्थित निवास और टाइगर श्रॉफ को उनकी कंपनी टाइगर श्रॉफ प्रोडक्शंस एलएलपी के माध्यम से नोटिस तामील कराया गया है।

नोटिस में एक्टर्स से दस्तावेजी सबूत मांगे गए हैं ताकि यह पता चल सके कि क्या 'विमल इलायची' असल में बाजार में बिकने वाला एक स्वतंत्र प्रोडक्ट है, या फिर यह पान मसाला या तंबाकू से जुड़े प्रोडक्ट्स को प्रमोट करने के लिए किया गया सरोगेट या ब्रांड-एक्सटेंशन प्रमोशन है।

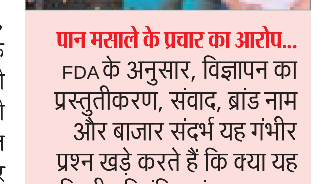

पान मसाले के प्रचार का आरोप... FDA के अनुसार, विज्ञापन का प्रस्तुतीकरण, संवाद, ब्रांड नाम और बाजार संदर्भ यह गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं कि क्या यह किसी प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद का परोक्ष प्रचार है। नोटिस में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रथम दृष्टया यह विज्ञापन विमल ब्रांड का प्रचार करता है, जो मुख्य रूप से पान मसाला से जुड़ा है।

गर्लफ्रेंड को रोकने कार के बोनट पर चढ़ा बॉयफ्रेंड

● महिला के साथी ने गाड़ी से कुचलकर उतारा मौत के घाट

रायपुर, एजेंसी। रायपुर के आमानाका थाना क्षेत्र में एम्स अस्पताल के सामने शुक्रवार देर शाम प्रेम प्रसंग को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की कार से कुचलकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार आरोपी परमप्रीत सिंह (34), निवासी सेक्टर-04 उदया सोसायटी, टाटीबंध का दुर्ग निवासी भरत मंगनानी के साथ विवाद हुआ था। विवाद के दौरान भरत मंगनानी ने अपनी कार से परमप्रीत को टक्कर मार दी। इसके बाद परमप्रीत कार की छत पर चढ़ गया। आरोप है कि भरत ने कार रोकने के बजाय तेज रफ्तार में दौड़ा दी। कुछ दूरी पर परमप्रीत कार से नीचे गिर गया, जिसके बाद आरोपी ने उसके ऊपर कार चढ़ा दी और मौके से फरार हो गया। गंभीर चोटों के कारण परमप्रीत की मौके पर ही मौत हो गई।

एम्स के सामने हुआ विवाद: पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को एम्स अस्पताल के सामने परमप्रीत सिंह और भरत मंगनानी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। प्रारंभिक जांच में विवाद की वजह प्रेम प्रसंग की बात सामने आ रही है। दोनों के बीच कहासुनी के बाद मामला बढ़ गया। इसी दौरान भरत अपनी कार लेकर वहां से जाने लगा। परमप्रीत ने उसे रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि भरत ने कार आगे बढ़ाते हुए परमप्रीत को टक्कर मार दी। इसके बाद भी परमप्रीत ने कार को रोकने का प्रयास किया और कार की छत पर चढ़ गया।

कार की छत पर चढ़े युवक को लेकर भागा: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, परमप्रीत के कार की छत पर चढ़ने के बाद भी आरोपी ने वाहन नहीं रोका। वह कार को तेजी से आगे ले गया। कुछ दूरी तक कार दौड़ाने के बाद परमप्रीत सड़क पर नीचे गिर गया। आरोप है कि इसके बाद भरत ने कार रोकने के बजाय परमप्रीत के ऊपर वाहन चढ़ा दिया। घटना में परमप्रीत को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद आरोपी भरत मंगनानी कार लेकर मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

लोगों ने किया पीछा, आरोपी फरार: घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने कार चालक को पकड़ने का प्रयास किया। कुछ लोगों ने आरोपी की कार का पीछा भी किया, लेकिन वह लोगों की पकड़ में नहीं आया। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की है। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने प्रथम दृष्ट्या मामले को हत्यात्मक प्रकृति का माना है।

बीएनएस की धारा 103 में अपराध दर्ज

आमानाका पुलिस के अनुसार, घटना के संबंध में बीएनएस की धारा 103 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी भरत मंगनानी की तलाश के लिए टीम रवाना कर दी है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद घटना में इस्तेमाल कार और अन्य साक्ष्यों को भी जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। इसके अलावा प्रत्यक्षदर्शियों और अन्य लोगों से मिली जानकारी के आधार पर घटनाक्रम की पुष्टि की जा रही है।

युवती से जुड़े विवाद की भी जांच

प्रारंभिक जानकारी में घटना के पीछे प्रेम प्रसंग से जुड़ा विवाद बताया जा रहा है। घटना के दौरान एक युवती के भी मौके पर मौजूद होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस युवती से पूछताछ कर पूरे विवाद की वजह और घटना से पहले दोनों पक्षों के बीच हुए घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद ही घटना की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी। फिलहाल पुलिस

एम्स में भर्ती जेपी नड्डा की हालत स्थिर, डिस्चार्ज पर अभी चिकित्सकों ने नहीं लिया फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को एम्स से डिस्चार्ज करने को लेकर चिकित्सकों ने अभी कोई फैसला नहीं किया है। एम्स के अनुसार, वह अब भी कार्डियोलाजी विभाग में भर्ती हैं और उनका उपचार जारी है। चिकित्सक उनके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, नड्डा की हालत स्थिर है और वह पहले की तुलना में बेहतर महसूस कर रहे हैं। चिकित्सक उनके स्वास्थ्य की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। उनकी स्थिति में अपेक्षित सुधार होने पर ही उन्हें डिस्चार्ज करने को लेकर निर्णय लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को 13 अगस्त की शाम बेचैनी महसूस होने के बाद एम्स में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने उनकी कई जांच की थीं, जिसमें कोरोनरी एंजियोग्राफी भी शामिल थी। इसके बाद उन्हें कार्डियोलाजी विभाग में निगरानी के लिए भर्ती रखा गया है।

बासी और बदबूदार चिकन, कस्टमर की शिकायत पर कर्नाटक एफडीए एक्शन, केएफसी आउटलेट किया सील

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मंगलुरु में केएफसी का एक आउटलेट तब जांच के दायरे में आ गया, जब एक ग्राहक की शिकायत के बाद फूड सेफ्टी अधिकारियों ने अचानक वहां जाकर जांच की। ग्राहक ने आरोप लगाया था कि रेस्टोरेंट ने बदबूदार चिकन बेचा था। एक कस्टमर ने आउटलेट से ऑनलाइन चिकन पेरी-पेरी लेग्स ऑर्डर किया और जब ऑर्डर मिला तो वह बासी और बदबूदार था। इसके बाद ग्राहक ने शिकायत दर्ज की। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने आउटलेट पर छापा मारा और किचन, स्टोर रूम, कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं, डीप फ्रीजर और फ्राइड चिकन स्टॉक की जांच की।

आउटलेट की गोदाम को किया सील: जांच के दौरान अधिकारियों ने गोदाम को सील कर दिया और लैब में जांच के लिए चिकन के सैंपल लिए। अधिकारियों ने कहा कि लैब रिपोर्ट के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कर्नाटक में फूड सेफ्टी की जांच जारी: मंगलुरु के आउटलेट पर यह छापा पूरे कर्नाटक में फूड सेफ्टी विभाग द्वारा की जा रही जांच-पड़ताल के सिलसिले का ही एक हिस्सा है। मैसूर शहर और जिले में फूड सेफ्टी अधिकारियों ने रियो मेरिडियन होटल से 9 किलो एक्सपायर्ड चिकन, ग्रैंड मर्क्योर होटल से 68 किलो मीट और क्यू स्टार होटल से 4 किलो मशरूम जब्त किए। अधिकारियों ने बताया कि मामले की आगे जांच चल रही है। इसके अलावा, स्वास्थ्य विभाग ने मैसूरु और नंजनगुड तालुका के रिसॉर्ट्स में निरीक्षण अभियान चलाया। कुल तीन रिसॉर्ट्स का निरीक्षण किया गया और तीन नोटिस जारी किए गए। अधिकारियों ने खाने-पीने की चीजों के पांच सैंपल भी लिए, जिनमें दो कानूनी सैंपल और तीन सर्वे सैंपल शामिल थे। इस अभियान के दौरान एक्सपायर हो चुके और जल्दी खराब होने वाले 16 किलो खाद्य पदार्थों को जब्त करके नष्ट कर दिया गया। ताजा कार्रवाई बेंगलुरु के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में की गई एक और जांच के बाद हुई है जहां अधिकारियों ने बताया कि उन्हें किचन में एक्सपायर हो चुका कच्चा सामान मिला। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कंटेनरों में एक्सपायर हो चुके रवा, आइसिंग शुगर, मैदा और बेकरी प्रोडक्ट्स रखे हुए पाए गए। अधिकारियों को मिक्सचर के चार पैकेट और पानी पुरी के नौ पैकेट भी मिले, जिनकी एक्सपायरी डेट निकल चुकी थी।

हिमाचल में मॉनसून का कहर, 47 दिनों में 183 मौतें; नुकसान 972 करोड़ के पार

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में इस साल मॉनसून की बारिश भारी तबाही लेकर आई है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 47 दिनों (30 जून से 15 अगस्त) के भीतर बारिश और उससे जुड़ी घटनाओं के कारण 183 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। औसतन देखें तो राज्य में हर दिन करीब 4 लोगों की मौत दर्ज की गई है। इसके अलावा, राज्य को अब तक लगभग 972.64 करोड़ रुपये (97,263.91 लाख रुपये) का भारी वित्तीय नुकसान झेलना पड़ा है। कुल 183 मौतों में से 79 लोगों की जान प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूस्खलन, डूबने, करंट लगने और सांप के काटने से गई। इनमें से सबसे ज्यादा 27 मौतें ऊंची चट्टानों या पेड़ों से गिरने और 14 मौतें लैंडस्लाइड के कारण हुईं। वहीं, खराब मौसम और फिसलन की वजह से हुए सड़क हादसों में 104 लोगों की जान चली गई। प्राकृतिक हादसों में सबसे ज्यादा 14 मौतें लाहौल-स्पीति में हुईं, जबकि कांगड़ा में 13 और शिमला में 11 लोगों की जान गई। सड़क दुर्घटनाओं के मामले में चंबा और सिरमौर सबसे आगे रहे, जहां 16-16 मौतें दर्ज हुईं। कुल्लू में हादसे के कारण 14 लोगों की मौत हुई।

पशुधन और मानवीय नुकसान: आपदा की इस मार में 291 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि 31 लोग अभी भी लापता हैं। इंसान ही नहीं, बेजुबान जानवरों पर भी इसका गहरा असर पड़ा है–732 से अधिक मवेशी और 225 पोल्ट्री पक्षी इस दौरान मारे गए हैं। निजी संपत्तिः 83 मकान पूरी तरह से जमींदोज हो गए, जबकि 242 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। 260 पशु शेड भी तबाह हुए हैं। पीड़ित परिवारों की मदद के लिए सरकार ने अब तक 5.92 करोड़ रुपये की राहत राशि मंजूर की है।

ठप पड़ीं सेवाएं और राहत कार्य: मंडी जिला इस पूरी तबाही का मुख्य केंद्र बना हुआ है। राज्य भर में बंद पड़ी 103 सड़कों में से 43 अकेले मंडी की हैं (कुल्लू में 32 और चंबा में 8 सड़कें बंद हैं)। इसके अलावा, 46 ट्रांसफार्मर खराब होने से कई इलाकों में अंधेरा छाया है, जिनमें से 39 मंडी के हैं। राज्य में ठप पड़ीं 221 पानी की योजनाओं में से 209 सिर्फ मंडी जिले की हैं। फिलहाल राहत और बचाव दल लगातार रास्ते खोलने, बिजली बहाल करने और पीने के पानी की सप्लाई शुरू करने के काम में जुटे हुए हैं।

हम मुसलमान हैं, हम सहन करते हैं, पाक के हिंदुओं को लेकर आसिफ जरदारी ने क्या कहा अखंड भारत का भी जिक्र किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के लिए दुनियाभर में बदनाम है। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लोगों के गंभीर उत्पीड़न, जबरन धर्म परिवर्तन के मामले आए दिन सामने आते हैं और उनकी आबादी में भी भारी गिरावट आई है। हालांकि, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसके विपरीत दावा किया है। जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू भी उतने ही आजाद हैं, जितने किसी और जगह पर हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान के हिंदू भारत में रहने के बजाय पाकिस्तान में रहना पसंद करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में ऐसे मुसलमान हैं, जिनकी सोच है कि वे हिंदुओं को बर्दाश्त करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जरदारी ने 14 अगस्त को इस्लामाबाद में यादगार-ए-फतह विजय स्मारक समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। यह समारोह पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित किया गया था। पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने ये बातें भारत और पाकिस्तान की सोच में अंतर बताते हुए कहीं। जरदारी ने भारत के अखंड भारत में विश्वास का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके बीच बहुत कुछ ऐसा है, जिसे भारतीय भूल गए हैं। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान की पहचान एक इस्लामी देश के रूप में बताई। हम मुसलमान हैं, हमारी सोच है कि हम बर्दाश्त करते हैं पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं के प्रति अपने देश के रवैये पर बात करते हुए जरदारी ने कहा, हम मुसलमान हैं और हमारी सोच है कि हम बर्दाश्त करते हैं। उन्होंने आगे दावा किया, पाकिस्तान में तीन से चार प्रतिशत हिंदू आबादी है । और वे उतने ही आजाद हैं, उतने ही अच्छे हाल में हैं, जितने वे कहीं और थे। इसके बाद जरदारी ने पाकिस्तान के हिंदू लोगों की पसंद को लेकर एक और दावा किया। उन्होंने कहा, वे उनके साथ (भारत) रहने के बजाय हमारे साथ रहना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा, भारतीयों की सोच अलग है। उनके दिमाग में अपना एजेंडा है। वे अखंड भारत में विश्वास करते हैं। लेकिन इसके बीच बहुत कुछ ऐसा है, जिसे वे भूल गए हैं। इसके बाद जरदारी ने कहा, हम मुसलमान हैं। वे नहीं हैं। लेकिन हम मुसलमान हैं और हमारी सोच है कि हम सहन करते हैं।

म्यांमार में फिर हिली धरती, 3.5 तीव्रता के भूकंप से महसूस हुए हल्के झटके; फिलहाल नुकसान की खबर हीं

यांगून, एजेंसी। भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में रविवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई की जानकारी के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण इसे हल्के स्तर का झटका माना जा रहा है। फिलहाल भूकंप से किसी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर सामने नहीं आई है। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद स्थानीय स्तर पर लोगों के बीच कुछ समय के लिए हलचल देखने को मिली। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार भूकंप इतना शक्तिशाली नहीं था कि बड़े पैमाने पर इमारतों या बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाए। स्थानीय प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। म्यांमार भूकंपीय गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। देश में समय-समय पर भूकंप के हल्के और मध्यम झटके महसूस किए जाते रहे हैं। हाल के दिनों में भी म्यांमार में हल्के भूकंप दर्ज किए गए हैं। ऐसे में 3.5 तीव्रता के ताजा झटके ने एक बार फिर क्षेत्र की भूकंपीय सक्रियता को सामने ला दिया है। इंडोनेशिया में भूकंप से अब तक 38 लोगों की मौत इंडोनेशिया में शनिवार को कुछ ही घंटों के भीतर लगातार तीन भूकंप आए। रात में गल्फ ऑफ टॉमिनी में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। इससे पहले इसी दिन 6.5 तीव्रता का भूकंप और सुबह 7.7 तीव्रता का बेहद शक्तिशाली भूकंप आया था। सुबह के भूकंप में कम से कम 38 लोगों की मौत हुई, कई लोग घायल हुए और बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। गल्फ ऑफ टॉमिनी में भूकंप कितनी तीव्रता का था राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, शनिवार रात गल्फ ऑफ टॉमिनी में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप भारतीय समयानुसार रात 9 बजकर 55 मिनट पर आया। इसकी गहराई जमीन के अंदर 68 किलोमीटर थी। भूकंप का केंद्र गल्फ ऑफ टॉमिनी में दर्ज किया गया। यह झटका उस समय आया जब इंडोनेशिया पहले से ही दिन में आए दो बड़े भूकंपों के असर से जूझ रहा था। पिछले बड़े भूकंप के केंद्र से गल्फ ऑफ टॉमिनी कितनी दूर है। सुबह आया 7.7 तीव्रता का भूकंप इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में आया था। उसका केंद्र पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत के एंडे शहर से करीब 68 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम में था। वहीं रात का 6.0 तीव्रता वाला भूकंप गल्फ ऑफ टॉमिनी में 0.174 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 120.312 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। उपलब्ध जानकारी में दोनों भूकंपों के केंद्रों के बीच सीधी दूरी नहीं बताई गई है। इसलिए दिए गए आंकड़ों के आधार पर उनकी सटीक दूरी तय करना संभव नहीं है।

सुबह आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में कितनी जनहानि हुई: भूकंप ने इंडोनेशिया के कई इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया।

ट्रंप ने साझा की किम संग तस्वीरः चेहरे पर नहीं दिखी मुस्कान; फिर क्यों बोले- हम बहुत अच्छे से मिलते हैं

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की। इन तस्वीरों में दोनों के चेहरे गंभीर नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को लेकर ट्रंप ने मजाक किया। उन्होंने कहा कि किम जोंग उन और उनके बीच अच्छे संबंध हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, इस खास तस्वीर में भले ही हमारे चेहरे दोस्ताना नहीं दिख रहे हैं। लेकिन ऐसी कई तस्वीरें हैं, जिनमें हम मुस्कुरा रहे हैं। किम जोंग उन और मैं बहुत अच्छे से मिलते हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने एआई से बनाई हुई तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वह अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन के साथ नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में दोनों के हाथों में कलम दिख रही है। वहीं, दूसरी तस्वीर में दोनों घोड़े पर नजर आ रहे हैं। अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास की आलोचना कर रहा उत्तर कोरियाट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया, जब उत्तर कोरिया अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले आगामी सैन्य अभ्यासों की आलोचना कर रहा है। उत्तर कोरिया का कहना है कि इन सैन्य अभ्यासों से कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव और बढ़ेगा। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास उलची फ्रीडम शील्ड 17 अगस्त से शुरू होने वाला है। यह अभ्यास 27 अगस्त तक चलेगा।सैन्य अभ्यास में क्या शामिल हैइन सैन्य अभ्यासों में ड्रोन से निपटने, जीपीएस में रुकावट पैदा होने की स्थिति से निपटने और साइबर हमलों का सामना करने का प्रशिक्षण शामिल होगा। अमेरिका और उसके सहयोगी देश इन अभ्यासों के जरिये उत्तर कोरिया की बदलती सैन्य क्षमताओं के अनुसार अपनी तैयारी बेहतर करना चाहते हैं। उत्तर कोरिया लगातार अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों की आलोचना करता रहा है। वह इन अभ्यासों को उकसावे वाली कार्रवाई बताता है।उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने क्या कहाउत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा, अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के बीच सैन्य सहयोग धीरे-धीरे एक परमाणु गठबंधन में बदल रहा है। प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया का सैन्य सहयोग एक परमाणु गठबंधन में बदल रहा है और उत्तर कोरिया खतरे के नए स्तर का जवाब रोकने की क्षमता के नए स्तर से देगा।प्रवक्ता ने आगे कहा कि आने वाले सैन्य अभ्यास पिछले पांच वर्षों में हुए अभ्यासों से अलग हैं। उनका मकसद आधुनिक युद्ध के नए पहलुओं के आधार पर युद्ध करने की क्षमता को बेहतर बनाना है।बयान में आगे कहा गया, अगर खतरा बढ़ता है, तो हम भी अपनी सुरक्षा के लिए अपनी ताकत बढ़ाएंगे। सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारा हमेशा से सिद्धांत रहा है।इस बीच, 12 अगस्त को उत्तर कोरिया ने बुधवार को कथित तौर पर एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की। यह एक सप्ताह से भी कम समय में उत्तर कोरिया की ओर से किया गया दूसरा ऐसा प्रक्षेपण था।दक्षिण कोरिया की सेना का हवाला देते हुए योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि उत्तर कोरिया ने बुधवार को पूर्वी सागर की दिशा में एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी।

वर्जीनिया यूनिवर्सिटी में गोलीबारी से हड़कंप पांच घायल पुलिस से बचने के लिए अलमारी में छिपा 19 वर्षीय आरोपी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार तड़के हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने 19 वर्षीय कैमरन हैरिस को कैंपस की एक डॉरमिटरी की अलमारी से गिरफ्तार किया है। घटना में पांच लोग घायल हुए, जिनमें एक की हालत गंभीर थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आठ गंभीर अपराधों के वारंट हासिल किए हैं। घटना के बाद लगाए गए कैंपस लॉकडाउन को हटा दिया गया है और जांच में कई कानून प्रवर्तन एजेंसियां सहयोग कर रही हैं। गोलीबारी के पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है। चेस्टरफील्ड काउंटी पुलिस ने एक बयान में बताया कि हेनरिको, वर्जीनिया निवासी कैमरन हैरिस कैंपस का छात्र नहीं है। गोलीबारी में घायल हुए चार लोग भी यूनिवर्सिटी के छात्र नहीं थे। घायलों की उम्र 17 से 23 वर्ष के बीच है। अधिकारियों के मुताबिक, घायलों में शामिल 20 वर्षीय एक छात्र को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने अभी तक किसी भी पीड़ित का नाम सार्वजनिक नहीं किया है।पहले कई संदिग्धों की तलाश की बात कही गई थीयूनिवर्सिटी ने इससे पहले जारी बयान में कहा था कि अधिकारी कई संदिग्धों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, शनिवार शाम तक पुलिस ने तलाशी अभियान को लेकर कोई अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की। यूनिवर्सिटी अधिकारियों ने दिन में पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कैंपस समुदाय के लिए अब किसी तत्काल खतरे की आशंका नहीं है। इसके बाद कैंपस में लगाया गया लॉकडाउन हटा दिया गया।रात 1ः30 बजे के बाद हुई गोलीबारीशनिवार तड़के करीब 1ः30 बजे के बाद हुई गोलीबारी के चलते पूरे कैंपस में लॉकडाउन लागू करना पड़ा। यह घटना ऐसे समय हुई, जब छात्र नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के लिए कैंपस लौट रहे थे और तैयारियों में जुटे थे।क्वाड एनेक्सेस के पास मिले पांच घायलगोलीबारी की घटना यूनिवर्सिटी के क्वाड एनेक्सेस के पास हुई। सूचना मिलते ही कैंपस पुलिस और चेस्टरफील्ड काउंटी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्हें कैंपस डॉरमिटरी के बाहर गोली लगने से घायल पांच लोग मिले।सोमवार से शुरू होनी हैं कक्षाएंयूनिवर्सिटी की वेबसाइट के मुताबिक, छात्रों के लिए रेजिडेंस हॉल एक सप्ताह पहले ही खोल दिए गए थे, जबकि कक्षाएं सोमवार से शुरू होनी हैं। कई छात्र नए विद्यार्थियों के स्वागत और उनके कैंपस जीवन की शुरुआत से जुड़े यूनिवर्सिटी के न्यू ट्रोजन एक्सपीरियंस कार्यक्रम में भी हाल ही में शामिल हुए थे। यूनिवर्सिटी ने अपने बयान में कहा,हम समझते हैं कि इस घटना ने हमारे छात्रों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों, दोस्तों और व्यापक ट्रूज समुदाय के बीच चिंता पैदा की है। हमारे छात्रों की सुरक्षा और भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।कैंपस में भारी पुलिस बल की तैनातीशनिवार सुबह कैंपस में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। यूनिवर्सिटी ने छात्रों को सलाह दी कि वे अतिरिक्त सुरक्षा उपायों और उपलब्ध सहायता सेवाओं से जुड़ी जानकारी के लिए अपने ईमेल नियमित रूप से चेक करते रहें।

आरोपी पर आठ गंभीर धाराओं में वारंट

अधिकारियों ने घटना के संभावित मकसद को लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने हेनरिको के खिलाफ आठ गंभीर अपराधों यानी फेलनी के वारंट हासिल किए हैं। इनमें जान-बूझकर किसी व्यक्ति को घायल करना और गंभीर अपराध के दौरान बंदूक का इस्तेमाल करना जैसी धाराएं शामिल हैं। यह भी तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका कि आरोपी की ओर से पैरवी करने के लिए कोई वकील मौजूद है या नहीं।

दुनिया में देवभूमि कहीं है तो सिर्फ भारत की भूमि है : उपमुख्यमंत्री

रीवा में निकली भव्य कांवड़ यात्रा, विश्वकर्मा घाट से पचमठा धाम तक गूंजे भोलेनाथ के जयकारे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पवित्र श्रावण मास के अवसर पर रीवा शहर में रविवार को भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। स्व. विद्यादेवी सेवा संकल्प समिति के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक यात्रा में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी सहभागिता की उन्होंने धर्मनिष्ठ श्रद्धालुओं के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक कर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना की कांवड़ यात्रा का शुभारंभ विश्वकर्मा घाट से हुआ बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवड़ में पवित्र जल लेकर यात्रा में शामिल हुए ढोल-नगाड़ों और भगवान शिव के जयघोष के बीच यात्रा आगे बढ़ी यात्रा विश्वकर्मा घाट से जयस्तंभ, स्टेच्यू चौराहा और फोर्ट रोड होते हुए प्रसिद्ध पचमठा धाम पहुंची पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला पचमठा धाम स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर में कांवड़ियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि विश्वकर्मा घाट से जल लेकर कांवड़ यात्रा में शामिल होना और पवित्र पचमठा धाम में भगवान शिव के शिवलिंग का जलाभिषेक करना सौभाग्य की बात है उन्होंने कहा कि मान्यता के अनुसार पचमठा धाम के शिवलिंग की स्थापना आदि शंकराचार्य ने की थी उन्होंने कहा कि रीवा की धार्मिक और आध्यात्मिक परंपरा समृद्ध रही है और ऐसे आयोजनों से समाज में एकजुटता और सामूहिक चेतना मजबूत होती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के सामूहिक प्रयास से समय-समय पर होने वाले धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक शक्ति को प्रदर्शित करते हैं उन्होंने कहा कि इस सामाजिक और आध्यात्मिक एकता को बनाए रखना आवश्यक है। यदि यह शक्ति कायम रहेगी तो भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा उन्होंने कहा कि भारत जब विश्व का नेतृत्व करेगा तो दुनिया में शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शिव की आराधना से जुड़ी बताई आस्था: उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने समुद्र मंथन से जुड़ी धार्मिक मान्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि जब समुद्र मंथन के दौरान हलाहल विष निकला तो भगवान शिव ने सृष्टि की रक्षा के लिए उसे स्वयं ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव को जल अर्पित करने से उनके कंठ को शीतलता मिलती है और वे प्रसन्न होते हैं इसी आस्था के साथ श्रद्धालु कांवड़ में जल लेकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं उन्होंने भगवान भोलेनाथ से सभी के कल्याण, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कृपा सभी पर बनी रहे और समाज में सुख, शांति तथा सद्भाव कायम रहे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भौतिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास भी आवश्यक है उन्होंने कहा कि समाज को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े रहना चाहिए आने वाली पीढ़ी को भी ऐसे आयोजनों से जोड़कर संस्कार देने की जरूरत है ताकि युवा सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें और समाज एवं देश की शक्ति बनें उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी आध्यात्मिक और धार्मिक विरासत है यह विरासत देश को दुनिया में अलग पहचान देती है ।

मैहर में राशन वितरण में 27.81 लाख की अनियमितता, एक आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के ताला थाना क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न वितरण को लेकर बड़ी अनियमितता सामने आई है। बहुउद्देशीय सेवा सहकारी समिति रामगढ़ द्वारा संचालित दो उचित मूल्य दुकानों में जांच के दौरान करीब 27.81 लाख रुपए मूल्य के खाद्यान्न की कमी पाए जाने के बाद पुलिस ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दूसरे आरोपी की तलाश जारी है पुलिस के अनुसार बिधुई खुर्द स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान में विक्रेता अवधेश चतुर्वेदी और सहायक विक्रेता दीपक चतुर्वेदी पर आरोप है कि मार्च से जून 2026 के बीच हितग्राहियों के फिंगरप्रिंट लेने के बावजूद उन्हें खाद्यान्न उपलब्ध नहीं कराया गया। जांच के दौरान दुकान में 12 लाख 92 हजार 987 रुपए मूल्य के खाद्यान्न की कमी पाई गई। इसी सहकारी समिति द्वारा संचालित अमझर स्थित उचित मूल्य दुकान में भी जांच के दौरान खाद्यान्न की कमी सामने आई अधिकारियों की जांच में यहां करीब 14 लाख 88 हजार 103 रुपए मूल्य का खाद्यान्न कम पाया गया। दोनों दुकानों में सामने आई कमी को लेकर पुलिस ने संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू की पुलिस ने दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 316(5) तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत अपराध दर्ज किया है पुलिस का कहना है कि मामले में दस्तावेजों और खाद्यान्न वितरण से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की जा रही है मामले में कार्रवाई करते हुए ताला थाना पुलिस ने शनिवार शाम दीपक चतुर्वेदी (37), निवासी बिछिया खुर्द को गिरफ्तार कर लिया। वहीं दूसरे आरोपी अवधेश चतुर्वेदी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम प्रयास कर रही है पुलिस के अनुसार कार्रवाई ताला थाना प्रभारी महेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में की गई। जांच के दौरान राशन दुकानों के स्टॉक, वितरण रिकॉर्ड और हितग्राहियों से संबंधित जानकारी को भी खंगाला जा रहा है।

हल्द्वानी में खड़गे के मंच के 'शुद्धिकरण' के विरोध में शहडोल कांग्रेस का प्रदर्शन

जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी बोले—सामाजिक पहचान के आधार पर भेदभाव संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ, दोषियों पर हो कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। हल्द्वानी में कांग्रेस की रैली के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण वाले मंच के कथित 'शुद्धिकरण' को लेकर शहडोल में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर चौक से न्यू गांधी चौक तक विरोध मार्च निकाला इस दौरान सामाजिक समानता, सामाजिक न्याय और संविधान की गरिमा के समर्थन में नारे लगाए गए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि हल्द्वानी में रैली के बाद खड़गे के भाषण वाले मंच का कथित रूप से शुद्धिकरण किया गया पार्टी ने इसे सामाजिक भेदभाव की मानसिकता का उदाहरण बताते हुए घटना की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने किया उन्होंने कहा कि जाति या सामाजिक पहचान के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव लोकतांत्रिक समाज में स्वीकार्य नहीं है उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं संविधान में निहित समानता, सामाजिक न्याय और गरिमा के मूल्यों पर सवाल खड़े करती हैं अवस्थी ने कहा कि कांग्रेस संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी पार्टी ने मांग की कि कथित 'शुद्धिकरण' में शामिल लोगों की पहचान कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए कांग्रेस ने दोषियों के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की मांग भी उठाई है। जिला कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने बताया कि प्रदर्शन का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ राजनीतिक विरोध करना नहीं बल्कि सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाना और समानता का संदेश देना था प्रदर्शन में जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, ब्लॉक एवं मंडल पदाधिकारी, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस तथा एनएसयूआई के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि समाज में किसी भी प्रकार के भेदभाव के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा और संविधान की मूल भावना को मजबूत करने के लिए संगठन आगे भी आवाज उठाता रहेगा।

राजस्व एवं पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर हटाया अवैध कब्जा, प्रशासन ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत चुरहट तहसील के ग्राम भेलकी में राजस्व विभाग ने बड़ी कार्रवाई की कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चुरहट के निर्देश पर राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने करीब 4 एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीन की मदद से अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाई गई बाउंड्री को ध्वस्त कर दिया गया प्रशासन के अनुसार ग्राम भेलकी में शासकीय आराजी के खसरा क्रमांक 177, 174, 154 एवं 203 की लगभग 4 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की जानकारी सामने आई थी संबंधित भूमि पर कब्जा कर बाउंड्री का निर्माण कराया गया था मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए तहसीलदार चुरहट के नेतृत्व में राजस्व अमला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा टीम ने जेसीबी मशीन के माध्यम से शासकीय भूमि पर बनाई गई बाउंड्री को हटाया और भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अमले ने मौके पर स्थिति का जायजा लेते हुए शासकीय भूमि को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद करीब 4 एकड़ शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया अधिकारियों ने कहा कि शासकीय संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति द्वारा अनधिकृत कब्जा अथवा निर्माण किया जाना स्वीकार नहीं किया जाएगा अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है भविष्य में भी अतिक्रमण की शिकायत अथवा जानकारी मिलने पर राजस्व विभाग द्वारा मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ग्राम भेलकी में हुई इस कार्रवाई को शासकीय भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें और यदि कहीं अवैध कब्जे की जानकारी हो तो संबंधित राजस्व अधिकारियों को इसकी सूचना दें।

मंत्री राधा सिंह ने सिंगरौली में किया ध्वजारोहण, परेड ने बढ़ाया समारोह का गौरव

राजमाता चुन कुमारी स्टेडियम में हुआ मुख्य समारोह, स्कूली बच्चों ने दी देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। देशभर के साथ सिंगरौली जिले में भी 80वां स्वतंत्रता दिवस शनिवार को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया जिला मुख्यालय स्थित राजमाता चुन कुमारी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान के साथ पूरा स्टेडियम देशभक्ति के रंग में रंग गया समारोह में पुलिस, होमगार्ड, यातायात पुलिस, एनसीसी और स्काउट-गाइड की विभिन्न टुकड़ियों ने अनुशासित एवं आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया परेड के दौरान जवानों और विद्यार्थियों ने कदम से कदम मिलाकर राष्ट्रीय एकता और अनुशासन का संदेश दिया मुख्य समारोह में जिले के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की गई अधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों का सम्मान उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिले के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों, लोकगीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की प्रस्तुतियों ने समारोह में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया देशभक्ति से जुड़े गीतों और रंगारंग कार्यक्रमों के दौरान पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम की भावना से सराबोर नजर आया समस्त सरकारी कार्यालयों में भी हुआ ध्वजारोहण मुख्य समारोह के अलावा जिले के विभिन्न सरकारी और सार्वजनिक कार्यालयों में भी स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। कलेक्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक कार्यालय और नगर निगम कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ध्वजारोहण किया इसके साथ ही भाजपा कार्यालय में भी तिरंगा फहराया गया। सभी स्थानों पर राष्ट्रगान के साथ स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया।

त्रिवेणी संगम पर गूंजे देशभक्ति के गीत, राजघाट क्लब ने किया ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ पर 15 वर्षों पुरानी परंपरा रही कायम

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ पर देशभर में राष्ट्रभक्ति और उत्साह का माहौल रहा इसी क्रम में रीवा के राजघाट क्लब उपरहटी की ओर से बीहर-बिछिया नदियों के त्रिवेणी संगम पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब द्वारा पिछले 15 वर्षों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर त्रिवेणी संगम में ध्वजारोहण करने की परंपरा निभाई जा रही है जिसे इस वर्ष भी उत्साह और गरिमा के साथ जारी रखा गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्लब के सदस्य एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। ध्वजारोहण के दौरान उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और देश की एकता अखंडता तथा गौरव को बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम स्थल पर लोगों में स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। ध्वजारोहण के बाद म्यूजिकल ग्रुप द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। देशभक्ति गीतों की धुनों से बीहर-बिछिया का त्रिवेणी संगम गूंज उठा कलाकारों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का उत्साह बढ़ाया और पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम की भावना से सराबोर हो गया राजघाट क्लब के सदस्यों ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को स्मरण करने का दिन भी है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

स्वतंत्रता दिवस पर सतना केंद्रीय जेल से 12 बंदी रिहा

भगवतगीता, फलदार पौधा और रिहाई प्रमाण पत्र देकर दी विदाई, जेल अधीक्षक ने सदमार्ग पर चलने की दी सलाह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सतना केंद्रीय जेल से 12 बंदियों को रिहा किया गया। अपनी सजा पूरी कर चुके इन बंदियों के लिए 15 अगस्त का दिन एक नई शुरुआत का अवसर लेकर आया जेल प्रशासन ने रिहाई के दौरान उन्हें आवश्यक दस्तावेजों के साथ आध्यात्मिक और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली सामग्री भेंट कर समाज की मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया राज्य शासन को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुल 13 बंदियों की रिहाई का प्रस्ताव भेजा गया था। हालांकि, प्रस्तावित बंदियों में शामिल एक वृद्ध बंदी की पैरोल अवधि के दौरान मृत्यु हो जाने के कारण इस वर्ष 12 बंदियों को ही रिहा किया जा सका रिहाई की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी बंदियों को उनके परिजनों और समाज के बीच नए जीवन की शुरुआत करने के लिए विदा किया गया। सतना केंद्रीय जेल प्रशासन की ओर से रिहा किए गए प्रत्येक बंदी को श्रीफल, श्रीमद्भगवद्गीता, एक फलदार पौधा, लंच पैकेट, बंदी पारिश्रमिक पासबुक और रिहाई प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जेल प्रशासन की इस पहल में आध्यात्मिकता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी नजर आया। भगवद्गीता भेंट करने का उद्देश्य रिहा होने वाले बंदियों को सकारात्मक जीवन और सद्मार्ग की प्रेरणा देना रहा, वहीं फलदार पौधा प्रकृति से जुड़ाव और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है जेल प्रशासन ने उम्मीद जताई कि रिहा होने वाले बंदी अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हुए समाज के लिए उपयोगी कार्य करेंगे केंद्रीय जेल अधीक्षक लीना कोस्टा ने रिहा हुए सभी बंदियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें भविष्य में अपराध से दूर रहने की सलाह दी उन्होंने कहा कि सजा पूरी होने के बाद समाज में वापस लौटना एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत है उन्होंने बंदियों को शेष जीवन सद्मार्ग पर बिताने और अपने परिवार एवं समाज के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया जेल अधीक्षक ने कहा कि रिहा होने वाले बंदियों को समाज की मुख्यधारा में सकारात्मक तरीके से शामिल होना चाहिए उन्होंने उन्हें अच्छे कार्य करने और जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन जीने का संदेश दिया जेल से बाहर निकलने के बाद परिवार, समाज और कानून के प्रति जिम्मेदारी निभाना उनके नए जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

सीधी में 4 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में CRPF जवान गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली थाना क्षेत्र में चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के गंभीर आरोप में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के एक जवान को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जिला जेल सीधी भेज दिया गया पुलिस के अनुसार आरोपी पीड़ित बच्ची के घर के पड़ोस में रहता है मामले की शिकायत बच्ची की मां ने 15 अगस्त 2026 को मझौली थाने में दर्ज कराई थी शिकायत के अनुसार कथित घटना 14 अगस्त की रात हुई पुलिस ने शिकायत मिलते ही मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और प्रारंभिक विवेचना के आधार पर आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया परिजनों के अनुसार बच्ची रात के समय घर से बाहर गई थी काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर उसकी मां ने उसे तलाशना शुरू किया कुछ समय बाद बच्ची रोते हुए घर पहुंची। परिजनों ने बच्ची की स्थिति को देखते हुए तत्काल मामले की जानकारी परिवार के अन्य सदस्यों को दी और पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने बच्ची को आवश्यक चिकित्सकीय जांच के लिए मझौली स्वास्थ्य केंद्र भेजा मामले से संबंधित चिकित्सकीय एवं अन्य साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बनाया गया है नाबालिग पीड़िता की पहचान और उससे जुड़ी संवेदनशील जानकारी को कानून के प्रावधानों के अनुरूप गोपनीय रखा गया है। मझौली थाना पुलिस ने प्राथमिकी क्रमांक 567/26 के तहत पॉक्सो एक्ट और अन्य संबंधित कानूनी धाराओं में मामला दर्ज किया है थाना प्रभारी विशाल शर्मा के अनुसार पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों और विवेचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

सेहत की आज़ादी

संपादकीय

देश की आजादी का संबंध जितना व्यवस्था के स्वास्थ्य से है, उतना ही उसके नागरिकों के स्वस्थ होने से भी। जैसे स्वस्थ शरीर में स्वस्थ आत्मा निवास करती है, ऐसे ही स्वस्थ नागरिकों पर देश का स्वास्थ्य निर्भर करता है। हर साल देश में सरकारों को अरबों रुपये लोगों के रोगों के उपचार हेतु खर्च करने पड़ते हैं। इस धन को विकास कार्यों पर भी लगाया जा सकता था। यूं तो व्यक्ति किसी महामारी, आनुवंशिक या किसी जेनेटिक रोग का शिकार हो सकता है, लेकिन आम तौर व्यक्ति स्वस्थ ही जन्म लेता है। लेकिन कहीं न कहीं सेहत के प्रति उदासीनता, आलस्य व प्रमाद के चलते व्यक्ति अस्वस्थ होता है। दरअसल, जीवन शैली की जटिलताओं के चलते ही हमारे रोगों का दायर बढ़ता जा रहा है। चिंता की बात यह है कि आज देश मधुमेह व हाइपरटेंशन की राजधानी बनता जा रहा है। सवाल यह है कि तमाम चिकित्सा अनुसंधान, शोध व नई-नई तकनीकों के ईजाद होने के बाद रोगों का सिलसिला थम क्यों नहीं रहा है? आज देश में एम्स व पीजीआईएमआर जैसे अनेक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कालेजों और पांच सितारा अस्पतालों के बावजूद रोगियों का आंकड़ा दिन-दूनी रात चौगुनी गति से क्यों बढ़ता जा रहा है? लगातार बढ़ती मेडिकल स्टोरों की संख्या के बावजूद रोगियों की लाइन लंबी क्यों होती जा रही है? दरअसल, हमें जो सेहत बनाने की आजादी मिली है, हम उसका अतिक्रमण करते हैं। हमारे खानपान की अराजकता भी रोगों का कारण बनती है। हमारी नकारात्मक सोच हमारी बीमारी का कारण बनती है। हमारे असमय खान-पान की निरंकुश आजादी रोगों का कारण बनती है। हमारा विलासिता का जीवन रोगों को पालता है। भूख से ज्यादा खाना रोगों को जन्म देता है। हमारा असमय खाना रोगवर्धक है। नई पीढ़ी द्वारा हमें विरासत में मिली खान-पान की कला की अनदेखी, हमें बीमारियों की तरफ धकेलती है। परंपरागत भोजन की उपेक्षा हमें रुग्ण बनाती है। हमने खानपान-जीवन शैली में पश्चिम की नकल तो खूब की है, लेकिन फिजिकल फिटनेस के उनके जुनून को अनदेखा कर दिया। हम लगातार शरीर के संकेतों की अनदेखी करके उसे रोगों की गुलामी की तरफ धकेल देते हैं। युवा अवस्था में तो हमारा शरीर खानपान की अराजकता झेल लेता है, लेकिन जैसे व्यक्ति पचास की उम्र पार करता है, उसकी डाइनिंग टेबल पर मेडिकल स्टोर खुल जाता है। बी.पी. की दवाई, शूगर की दवाई, जोड़ों के दर्द की दवाई, और तो और पाचन दुरुस्त करने की दवाइयां। चंडीगढ़ जैसे शहर में, जो अपने खूबसूरत पार्कों के लिये जाना जाता है, गिनती के लोग ही सुबह सैर करते नजर आते हैं। योग की कक्षाओं में गिने-चुने चेहरे दिखते हैं। लोग सुबह सैर व योग के समय नींद की गुलामी कर रहे होते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी लोग देर रात आफिस व काम-धंधों से लौटते हैं। पहले देर रात तक टीवी की गुलामी होती थी और अब देर रात तक मोबाइल की गुलामी करते हैं। मोबाइल की स्क्रीन को स्क्रॉल करते-करते रात हो जाती है तो फिर सुबह नींद कहां खुलेगी? प्राकृतिक चिकित्सा कहती है कि हम सूरज को उठायें, न कि सूरज हमें उठाये। भारतीय दर्शन में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की परंपरा है। इसका मतलब चार बजे उठना नहीं है। मतलब, सूरज उगने से एक-डेढ़ घंटे पहले हम उठ जाएं। दरअसल, इस समय शरीर में वात की सक्रियता से अपशिष्ट पदार्थ स्वतः ही बाहर निकलने को तैयार होते हैं। व्यक्ति को कब्ज नहीं होती। इस समय वायु शुद्ध होती है। यह आध्यात्मिक साधना का भी समय होता है। दिनभर हमारे शरीर में ताजगी बनाये रखता है।

अस्सी साल की आजादी : सफर, संघर्ष व सवाल

आजादी तब सार्थक होगी जब गरीब बीमारी के कारण कर्ज में न डूबे, युवा रोजगार के लिए अपना घर छोडने को मजबूर न हो, किसान अपनी फसल के उचित मूल्य के लिए संघर्ष न करे और किसी बच्चे की प्रतिभा संसाधनों के अभाव में दम न तोड़ दे...

पंद्रह अगस्त 1947 की सुबह भारतीय इतिहास की सबसे उजली और सबसे बेचैन सुबहों में से एक थी। सदियों की पराधीनता, संघर्ष, सत्याग्रह, जेल, लाठियां, गोलियां और असंख्य बलिदानों के बाद भारत ने स्वतंत्रता का सूर्योदय देखा था। यह वह क्षण था जिसका इंतजार कई पीढ़ियों ने किया था। लेकिन आजादी की उस सुबह में उल्लास के साथ पीड़ा भी थी। देश का विभाजन हो चुका था, लाखों लोग अपने घरों से उजड़ रहे थे, सांप्रदायिक हिंसा ने इनसानियत को घायल कर दिया था और नवजात राष्ट्र के सामने अपने अस्तित्व को मजबूत करने की असंख्य चुनौतियां खड़ी थीं। इसलिए 15 अगस्त 1947 केवल सत्ता के हस्तांतरण का दिन नहीं था, वह सपनों और संघर्षों से भरे एक नए भारत के जन्म का क्षण था। 15 अगस्त 2026 को भारत अपनी स्वतंत्रता की अस्सीवीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। अस्सी वर्ष किसी राष्ट्र के इतिहास में छोटी अवधि नहीं होते। इन वर्षों में पीढ़ियां बदल गईं, समाज बदला, अर्थव्यवस्था बदली और दुनिया का राजनीतिक परिदृश्य कई बार करवट ले चुका है। इसलिए यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, आत्ममंथन का भी है। हमें देखना होगा कि 1947 में जिस भारत का सपना स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था, वह आज कहां खड़ा है और अभी कितनी मंजिल बाकी है। 1947 का भारत आज के भारत से बिल्कुल अलग था। अर्थव्यवस्था कमजोर थी, उद्योग सीमित थे, गरीबी व्यापक थी और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहद कम थीं। शिक्षा की स्थिति भी चिंताजनक थी। 1951 की पहली जनगणना में देश की साक्षरता दर केवल 18.33 प्रतिशत थी। बड़ी आबादी गांवों में रहती थी और जीवन मूलभूत सुविधाओं के अभाव में गुजरता था। देश के सामने भूख, बीमारी, बेरोजगारी और अशिक्षा से लड़ते हुए एक आधुनिक राष्ट्र का निर्माण करने की चुनौती थी। इन कठिन परिस्थितियों के बीच भारत ने लोकतंत्र को अपना रास्ता चुना। संविधान बना और प्रत्येक वयस्क नागरिक को मतदान का अधिकार दिया गया। जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, अमीरी या गरीबी के आधार पर मताधिकार में कोई भेद नहीं किया गया। 1951-52 के पहले आम चुनाव ने दुनिया को चकित कर दिया। जिस देश की बड़ी आबादी निरक्षर थी, उसी देश ने करोड़ों लोगों को मतदान की प्रक्रिया में शामिल करके यह साबित किया कि लोकतंत्र केवल शिक्षित और संपन्न समाजों की व्यवस्था नहीं है। भारतीय लोकतंत्र की यात्रा हालांकि हमेशा सरल नहीं रही। 1975 का आपातकाल नागरिक स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी और राजनीतिक असहमति की कठिन परीक्षा था। लेकिन 1977 के चुनाव ने साबित किया कि भारत का मतदाता सत्ता बदलने की शक्ति रखता है। यही लोकतंत्र की असली ताकत है- अंतिम निर्णय जनता के हाथ में रहना। स्वतंत्रता के बाद भारत को अपनी सीमाओं की रक्षा की चुनौती भी लगातार झेलनी पड़ी। 1947-48 का भारत-पाकिस्तान युद्ध, 1962 में चीन के साथ युद्ध, 1965 और 1971 के युद्ध तथा 1999 का कारगिल संघर्ष राष्ट्रीय इतिहास के महत्वपूर्ण अध्याय हैं। 1971 के युद्ध ने दक्षिण एशिया का राजनीतिक भूगोल बदल दिया और बांग्लादेश का जन्म हुआ। कारगिल ने भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को फिर देश के सामने रखा। इन संघर्षों के बीच भारत ने अपनी रक्षा क्षमता मजबूत की और आज विश्व राजनीति में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। लेकिन भारत की कहानी केवल युद्धों की कहानी नहीं है। यह निर्माण और आत्मनिर्भरता की कहानी भी है। हरित क्रांति ने देश को खाद्यान्न संकट से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिस भारत को कभी विदेशों से अनाज मंगवाना पड़ता था, वही आगे चलकर खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना। उद्योग, बैंकिंग, परिवहन और संचार के क्षेत्रों में भी व्यापक परिवर्तन हुए। विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने ऐसी उपलब्धियां हासिल कीं, जिनकी कल्पना 1947 के भारत में कठिन थी।

तुलसीदास की चार पंक्तियां और मुक्त चेतना का स्पंदन

गोस्वामी तुलसीदास की निम्न चार पंक्तियां पहली दृष्टि में एक धार्मिक विस्मय-वर्णन जैसी लगती हैं लेकिन गंभीर दार्शनिक दृष्टि से पढ़ने पर इनमें शरीर, चेतना, भाषा, अनुभव और परम सत्ता के संबंध पर अत्यंत सूक्ष्म चिंतन दिखाई देता है। इनका महत्व केवल इतना नहीं है कि ईश्वर चमत्कार कर सकता है। असली प्रश्न यह है कि क्या चेतना अपने भौतिक उपकरणों से स्वतंत्र हो सकती है? तुलसी इसी प्रश्न को काव्यात्मक विरोधाभासों के माध्यम से उठाते हैं।

परिचय दास

यह कविता एक प्रकार की सत्ता-मीमांसीय प्रतिपत्ति बन जाती है। तुलसी मनुष्य के अनुभव की सामान्य संरचना को उलट देते हैं। मनुष्य चलता है क्योंकि उसके पैर हैं, सुनता है क्योंकि उसके कान हैं, कर्म करता है क्योंकि उसके हाथ हैं, रस का अनुभव करता है क्योंकि उसके पास मुख और इंद्रियां हैं और बोलता है क्योंकि उसके पास वाणी का शारीरिक तंत्र है। तुलसी कहते हैं कि परम सत्ता के संदर्भ में इन सभी कारण-संबंधों को स्थगित कर दो।

यहीं से इन पंक्तियों का दार्शनिक तनाव पैदा होता है।

'बिनु पद चलइ' केवल यह नहीं कहता कि ईश्वर बिना पैरों के चल सकता है। इसका गहरा अर्थ यह है कि गति के लिए भौतिक अंग अनिवार्य नहीं हैं। मनुष्य की गति स्थान से बंधी है। हम एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाते हैं। इसलिए हमारे लिए गति शरीर और स्थान दोनों की शर्तों के अधीन है। लेकिन परम सत्ता यदि सर्वव्यापी है, तो उसके लिए 'एक स्थान से दूसरे स्थान जाना' मनुष्य की तरह अर्थपूर्ण नहीं रह जाता। जो सत्ता पहले से सर्वत्र उपस्थित है, उसके लिए गति किसी भौतिक विस्थापन का नाम नहीं हो सकती। यहां तुलसी की कल्पना उस प्रश्न के निकट पहुंचती है जिसमें स्थान और सत्ता का संबंध विचाराधीन रहा है। अरस्तू से लेकर आधुनिक दर्शन तक यह प्रश्न रहा है कि किसी वस्तु का अस्तित्व क्या अनिवार्यतः उसके स्थान और भौतिक विस्तार से निर्धारित होता है। तुलसी का उत्तर लगभग नकारात्मक है। परम सत्ता का अस्तित्व स्थानगत नहीं, अस्तित्वगत है।

इसलिए 'बिनु पद चलइ' का अर्थ चमत्कार से अधिक गहरा है। यह कहता है कि जिसे हम गति कहते हैं, वह परम सत्ता की अंतिम परिभाषा नहीं हो सकती।

फिर आता है:

'सुनइ बिनु काना। '

यहां तुलसी इंद्रिय और ज्ञान के संबंध को चुनौती देते हैं। मनुष्य सुनता है क्योंकि ध्वनि कान तक पहुंचती है और कान से तंत्रिका-तंत्र के माध्यम से चेतना तक जाती है। आधुनिक विज्ञान इस प्रक्रिया को भौतिक कारण- श्रृंखला के रूप में समझाता है। लेकिन तुलसी उस पूरी संरचना को परम सत्ता पर लागू करने से इनकार करते हैं। ईश्वर का 'सुनना' किसी ध्वनि-तरंग को ग्रहण करना नहीं है। वह सर्वज्ञता का काव्यात्मक रूपक है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है: क्या ज्ञान अनिवार्यतः इंद्रिय-बोध पर निर्भर करता है? अनुभववादी दर्शन, विशेषकर लॉक और ह्यूम की परंपरा, ज्ञान की उत्पत्ति में इंद्रिय-अनुभव को अत्यंत महत्त्व देती है। दूसरी ओर डेसकार्त जैसे तर्कवादी दार्शनिक ज्ञान के ऐसे आयामों की तलाश करते हैं जिन्हें केवल इंद्रिय-अनुभव से नहीं समझाया जा सकता।

तुलसी का परमात्मा इन दोनों सीमाओं के बाहर है। वह इंद्रिय-निर्भर चेतना नहीं है। वह ऐसी चेतना है जिसके लिए जानना किसी इंद्रिय-माध्यम का परिणाम नहीं।

दूसरी पंक्ति और भी रोचक है:

'कर बिनु करम करइ बिधि नाना। '

यहां प्रश्न केवल कर्म का नहीं, कर्तृत्व का है। मनुष्य किसी काम को करने के लिए शरीर का उपयोग करता है। हाथ उसके कर्म का उपकरण है। तुलसी कहते हैं, परम सत्ता 'कर' के बिना भी 'करम' करती है।

दार्शनिक भाषा में कहें तो यहां कर्तृत्व को देह से अलग किया जा रहा है। यह आधुनिक दर्शन के लिए अत्यंत गंभीर समस्या है, क्योंकि आधुनिक पश्चिमी विचार में 'मैं' और 'मेरी देह' का संबंध बहुत जटिल रहा है। डेसकार्त ने मन और शरीर के बीच प्रसिद्ध द्वैत स्थापित किया। बाद में स्पिनोजा, कांट, हेगेल, हुसर्ल, हाइडेगर और मर्लो-पोंती आदि ने अलग-अलग तरीकों से इस समस्या को पुनर्विचारित किया। तुलसी का दृष्टिकोण डेसकार्तीय द्वैत से पूरी तरह समान नहीं है, लेकिन एक दिलचस्प समानता दिखाई देती है: मानवीय चेतना को केवल भौतिक अंगों में सीमित नहीं किया जा सकता।

लेकिन तुलसी यहां रुकते नहीं। वे कहते हैं:

'बिधि नाना ', अर्थात् वह अनेक प्रकार के कर्म करता है।

इसका अर्थ यह भी है कि परम सत्ता केवल निष्क्रिय, निर्विकार उपस्थिति नहीं है। वह सर्जनात्मक कर्तृत्व है। संसार में जो कुछ घटित होता है, उसकी अंतिम सत्ता-मीमांसीय पृष्ठभूमि वही है।

यहां स्वयंकृत कारण, प्रथम कारण और सत्ता के आधार का विमर्श याद आता है। विशेषकर मध्ययुगीन दर्शन में ईश्वर को उस अंतिम कारण के रूप में देखा गया जिसके लिए स्वयं किसी बाहरी कारण की आवश्यकता नहीं होती। तुलसी का ईश्वर भी ऐसा ही है, लेकिन भारतीय दार्शनिक संदर्भ में उसकी प्रकृति और भी अधिक व्यापक है। वह केवल प्रथम कारण नहीं, संपूर्ण अस्तित्व का आधार है।

तीसरी पंक्ति:

'आनन रहित सकल रस भोगी। '

शायद इन चारों में सबसे अधिक सौंदर्यात्मक और दार्शनिक पंक्ति यही है।

'आनन' अर्थात् मुख। मनुष्य स्वाद का अनुभव मुख और जिह्वा के माध्यम से करता है। लेकिन तुलसी कहते हैं कि परम सत्ता 'आनन रहित' होकर भी 'सकल रस भोगी' है। यहां 'रस' को केवल स्वाद मानना इस पंक्ति को बहुत छोटा कर देना होगा। भारतीय काव्यशास्त्र में रस की अवधारणा अत्यंत व्यापक है। आनंद, अनुभूति, सौंदर्य, प्रेम, करुणा, वीरता, शांति, विस्मय, भक्ति, सभी को व्यापक अर्थ में रसात्मक अनुभव के रूप में देखा जा सकता है। इसलिए 'सकल रस भोगी' का अर्थ हो सकता है कि परम सत्ता समस्त अनुभवात्मक संभावनाओं की अंतिम आधारभूमि है। यहीं तुलसी की कविता पश्चिमी सौंदर्य-दर्शन के एक बड़े प्रश्न के निकट आती है: अनुभव संभव कैसे होता है? मनुष्य सुंदरता का अनुभव करता है, संगीत सुनता है, प्रेम करता है, करुणा महसूस करता है, भय और आनंद का अनुभव करता है। लेकिन इन अनुभवों के पीछे चेतना की जो मूल क्षमता है, उसका अंतिम आधार क्या है? तुलसी का उत्तर है: वह परम चेतना स्वयं किसी एक अनुभव की वस्तु नहीं है; वह सभी अनुभवों की संभावना का आधार है। इसलिए 'रस भोगी' को ईश्वर के लिए किसी मनुष्य की तरह भोजन करने या स्वाद लेने की कल्पना समझना दार्शनिक रूप से बहुत सीमित व्याख्या होगी। यहाँ 'भोग' का अर्थ अनुभव और 'रस' का अर्थ समस्त अनुभवात्मक मूल्य तक फैल जाता है।

चौथी पंक्ति अचानक इस पूरे चिंतन को भाषा के क्षेत्र में ले आती है:

'बिनु बानी बकता बड़ जोगी। '

यहां तुलसी एक अत्यंत गहरी समस्या उठाते हैं: क्या बोलने के लिए भाषा आवश्यक है?

मानव वक्ता के लिए उत्तर स्पष्ट है। उसे शब्द चाहिए, ध्वनि चाहिए, मुख चाहिए। लेकिन परम सत्ता का 'वक्तृत्व' भाषिक उच्चारण पर निर्भर नहीं। इसका अर्थ यह नहीं कि ईश्वर कोई अदृश्य व्यक्ति है जो बिना मुंह के हमारे कान में भाषण देता है। इसका अर्थ कहीं अधिक सूक्ष्म है।

सृष्टि स्वयं उसकी वाणी है।

प्रकृति उसका कथन है। जीवन उसका संकेत है। नैतिक विवेक उसका संकेत है। अस्तित्व की संरचना स्वयं उसकी 'भाषा' है। यहां भाषा और अर्थ का प्रश्न सामने आता है। आधुनिक दर्शन में भाषा केवल सूचना देने का माध्यम नहीं रही। विट्गेंश्टाइन के बाद भाषा को अर्थ-निर्माण की पूरी संरचना से जोड़कर देखा गया। लेकिन तुलसी इससे भी पहले एक ऐसी स्थिति की कल्पना करते हैं जिसमें अर्थ शब्द से पहले है। परम सत्ता बोलती नहीं, फिर भी उसका 'कथन' सर्वत्र है। इसीलिए 'बड़ जोगी' शब्द विशेष ध्यान देने योग्य है। योगी वह है जो बाहरी साधनों पर निर्भरता से ऊपर उठकर चेतना को उसके मूल स्वरूप में प्रतिष्ठित करता है। अतः यहां 'योगी' केवल तपस्वी नहीं, बल्कि उस सत्ता का संकेत है जो माध्यम और लक्ष्य के बीच की सामान्य दूरी को पार कर चुकी है।

चारों पंक्तियों को एक साथ देखें तो उनकी संरचना अत्यंत सुंदर है:

पैर- गति
कान- श्रवण
हाथ -कर्म
मुख -रस
वाणी -अभिव्यक्ति

तुलसी हर बार पहले अंग को निष्कासित करते हैं और फिर उससे संबंधित क्रिया को बचा लेते हैं।

यही इस अंश की सबसे महत्वपूर्ण काव्य-दार्शनिक तकनीक है।

वे यह नहीं कहते कि ईश्वर के पास असाधारण पैर हैं, असाधारण कान हैं या असाधारण मुख है। वे इससे अधिक क्रांतिकारी बात कहते हैं:

उसे इनकी आवश्यकता ही नहीं।

इसलिए इन पंक्तियों को 'चमत्कारों की सूची' समझना तुलसी के दर्शन को बहुत साधारण बना देना होगा। यह वास्तव में देहधारित मानवीय अस्तित्व की सीमा के पार जाने का काव्यात्मक प्रयास है। मनुष्य के लिए शरीर माध्यम है। परम सत्ता के लिए माध्यम की आवश्यकता नहीं। लेकिन यहां एक गंभीर दार्शनिक कठिनाई भी पैदा होती है। यदि हम ईश्वर को 'चलने वाला ', 'सुनने वाला ', 'कर्म करने वाला ', 'रस भोगने वाला' और 'वक्ता' कहते हैं, तो हम उसे मनुष्य की भाषा में ही व्यक्त कर रहे हैं। फिर हम कैसे कह सकते हैं कि वह भाषा और इंद्रियों से परे है? यही निषेधात्मक दार्शनिक विरोधाभास, अर्थात् निषेध के माध्यम से परम सत्ता को व्यक्त करने की समस्या, है।

हम कहते हैं:

वह चलता है, लेकिन बिना पैरों के।
वह सुनता है, लेकिन बिना कानों के।
वह करता है, लेकिन बिना हाथों के।
वह भोगता है, लेकिन बिना मुख के।
वह बोलता है, लेकिन बिना वाणी के।

अर्थात् तुलसी पहले एक मानवीय क्रिया लेते हैं और फिर उसके भौतिक आधार को नकार देते हैं।

यह नकार के द्वारा संकेत है।

पश्चिमी धर्म-दर्शन में ईश्वर के बारे में ऐसी ही समस्या को निषेध के मार्ग से परम सत्ता की व्याख्या करना कहा गया है। अर्थात् परम सत्ता के बारे में हम यह अधिक आसानी से बता सकते हैं कि वह क्या नहीं है, बजाय इसके कि वह क्या है। तुलसी की इन पंक्तियों में इसी प्रकार का एक भारतीय काव्यात्मक रूप दिखाई देता है।

लेकिन तुलसी केवल निषेध नहीं करते। वे हर निषेध के बाद एक सकारात्मक क्रिया रखते हैं।

यही उनकी शक्ति है।

बिनु पद ? चलइ
बिनु काना ? सुनइ
कर बिनु ? करम
आनन रहित ? रस भोगी
बिनु बानी ? बकताअर्थात् शरीर हटता जाता है, चेतना बची रहती है।

यही इन चार पंक्तियों का सबसे गहरा दार्शनिक केंद्र है।

इसे आधुनिक शब्दों में कहें तो तुलसी पूछ रहे हैं:

क्या चेतना अपने उपकरणों में ही सीमित है? क्या चेतना केवल मस्तिष्क, इंद्रियों और शरीर की गतिविधियों का दूसरा नाम है?

तुलसी का उत्तर स्पष्टतः नहीं है।

उनके लिए शरीर चेतना का अंतिम स्रोत नहीं, बल्कि उसकी अभिव्यक्ति का एक माध्यम है। परम सत्ता की चेतना किसी भौतिक माध्यम में सीमित नहीं है।

इस दृष्टि से यह चार पंक्तियाँ केवल भक्तिपरक काव्य नहीं हैं। वे भारतीय धार्मिक काव्य के भीतर छिपा हुआ एक गंभीर चेतना-दर्शन प्रस्तुत करती हैं।

भाषा की मर्यादा का गिरता स्तर

जंतर-मंतर पर जेन-जी आंदोलन के दौरान भाषा के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त की गई है। लेख डिजिटल संस्कृति के प्रभाव और लोकतांत्रिक मर्यादा के क्षरण पर प्रकाश डालता है, संयम की अपील करता है।

चिंता यह नहीं है कि गालियां जेन-जी अथवा जेन-एल्फा द्वारा दी गईं। चिंता के मूल में यह है कि क्या सार्वजनिक स्थल पर उठीं गालियां जेन-जी तक में अब प्रतिरोध की नई भाषा बन रही हैं? क्या अपशब्दों को अब साहस, आजादी, क्रांति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नया पर्याय बनाया जा रहा है? इसके दूरगामी परिणामों पर परिवार, समाज और देश को चिंता होना चाहिए।

डॉ. विशेष गुप्ता

दिल्ली के जंतर-मंतर पर चले आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होते ही कथित जेन-जी का आंदोलन तो समाप्त हो गया, मगर लोकतांत्रिक प्रतिरोध के प्रतीक स्थल पर देश के प्रधानमंत्री तथा अन्य पदधारक व्यक्तियों के लिए जिस अशोभनीय, अपमानजनक और गाली-प्रधान भाषा का सार्वजनिक प्रयोग हुआ, वह भारतीय समाज की भाषिक संस्कृति और लोकतांत्रिक मर्यादा के तार-तार होने का संकेत भी दे गया।

लोकतंत्र में विरोध केवल अधिकार नहीं है, बल्कि वह सामाजिक चेतना का एक सशक्त माध्यम भी है। हर कालखंड के आंदोलनों की पहचान केवल उनके उद्देश्यों से नहीं, बल्कि उनकी भाषा और अभिव्यक्ति से भी होती रही है। समाजशास्त्र बताता है कि भाषा केवल संवाद का ही माध्यम नहीं होती, बल्कि वह समाज के मूल्यों, सत्ता संबंधों और सांस्कृतिक परिवर्तनों का आईना भी होती है। शब्द केवल विचार ही व्यक्त नहीं करते, वे सामाजिक शक्ति, पहचान और संघर्ष का प्रदर्शन भी करते हैं। इसलिए जब किसी आंदोलन की भाषा बदलती है तो वह केवल शब्दों का ही परिवर्तन नहीं होता, वह सामाजिक संस्कृति में आए परिवर्तनों का संकेत भी होता है। आज की जेन-जी एक

ऐसी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती है, जो डिजिटल दुनिया में पैदा हुई है।

इंस्टाग्राम, एक्स, यू-ट्यूब पर रील संस्कृति ने इस पीढ़ी से जुड़े संवाद को संक्षिप्त, तीव्र और बिना देरी की प्रतिक्रिया वाला बना दिया है। ध्यान रहे कि डिजिटल एल्गोरिदम सामान्यतया उसी सामग्री को बार-बार दिखाता है, जो चौंकाने के साथ-साथ उत्तेजना अथवा विवाद भी पैदा करता है। यही वजह है कि उसके द्वारा संयमित भाषा की तुलना में आक्रामक एवं बेतुकी भाषा ही अधिक वायरल होती है। अब यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे सार्वजनिक जीवन में भी अनुभव की जा रही है। इतिहास गवाह है कि प्रतिरोध की नैतिक शक्ति उसकी भाषा की गरिमा से कम नहीं होती। महात्मा गांधी ने ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी, मगर अपशब्दों का प्रयोग नहीं किया। डा. भीमराव आंबेडकर ने व्यवस्था की कठोरतम आलोचना की, परंतु भाषा की मर्यादा नहीं छोड़ी। डा. राममनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे राजनेताओं ने विचारों का तीखा संघर्ष किया, लेकिन संवाद को कभी भी गाली में नहीं बदला। इतिहास यह भी बताता है कि शब्द जब अपनी मर्यादा खो देते हैं तो आंदोलन भी अपनी नैतिक ऊंचाई खो देता है।

विडंबना यह है कि आज भाषा का स्तर सार्वजनिक जीवन के साथ-साथ राजनीतिक मंचों पर ही नहीं गिर रहा, बल्कि परिवार, विद्यालय, विश्वविद्यालय, मनोरंजन उद्योग एवं इंटरनेट मीडिया और यहां तक कि संसद तक सभी इससे प्रभावित हैं। यदि सार्वजनिक मंचों पर गालियों का प्रवाह बढ़ेगा तो कल वही भाषा शिक्षा के मंदिरों से लेकर घर तक की यात्रा तय करेगी।

भाषा का पतन कभी सीमित नहीं रहता, वह सामाजिक संस्कृति का अंग भी बन जाता है। निःसंदेह भारतीय संविधान ने प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है, पर स्वतंत्रता और उच्छृंखलता में भारी अंतर है। स्वतंत्रता यह अर्थ कतई नहीं कि भाषा की सारी मर्यादाएं तोड़ दी जाएं। यहां अभिव्यक्ति का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संवाद की गरिमा का संरक्षण है। आज सार्वजनिक जीवन के लिए एक साझा भाषाई आचार संहिता विकसित करने की आवश्यकता है। राजनीतिक दलों को अपने समर्थकों को यह साफ संदेश देना चाहिए कि उनके यहां विचारों का संघर्ष स्वीकार्य है, मगर किसी भी दशा में व्यक्तियों का अपमान स्वीकार्य नहीं है। शिक्षण संस्थानों को भी सार्थक संवाद करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। मीडिया को भाषा और संवाद की गुणवत्ता का सजग प्रहरी बनना होगा। साथ ही बुद्धिजीवियों, साहित्यकारों तथा सांस्कृतिक नेतृत्व को यह संदेश देना चाहिए कि भाषिक संवाद से जुड़ा संयम हमारी कमजोरी का प्रतीक न होकर, हमारी भारतीय सभ्यता की परिपक्वता है। संविधान केवल शब्दों का पुंज नहीं है। संवाद की संस्कृति इसका आत्मा है। संस्कृति की सबसे पहली अभिव्यक्ति भाषा ही होती है। आंदोलनों या राजनीतिक विमर्श में यदि भाषा की मर्यादा ही समाप्त हो जाएगी तो लोकतंत्र का आत्मा भी धीरे-धीरे क्षीरण होता जाएगा। इतिहास ने सदैव ही यह सिद्ध किया है कि सभ्यताएं तलवार की तुलना में असंयमित शब्दों के प्रयोग से अधिक बिगड़ती रही हैं। जेन-जी से जुड़ा जंतर-मंतर का आंदोलन अभिभावकों को भी सीख देता है कि वे अपने इन बच्चों को हर वस्तु देकर केवल खुश रखना ही न सिखाएं, बल्कि उनके जीवन को ऐसे तैयार करें, ताकि वे समय रहते असफलता भी सह सकें। आलोचना स्वीकार करने के साथ अपनी भावनाओं को नियंत्रित करते हुए दूसरों का सम्मान करना भी सीख सकें। शायद तभी यह पीढ़ी ऐसे आंदोलनों में खुद को भाषिक मर्यादा से जुड़ा संयम रखने में सफल हो सकेगी।

एमसीबी में 18.75 करोड़ की लागत से बनेगा एकीकृत जिला कार्यालय भवन

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया भूमिपूजन, 22 माह में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़ी प्रशासनिक सौगात मिली जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में 18 करोड़ 75 लाख 58 हजार रुपए की लागत से बनने वाले नए एकीकृत जिला कार्यालय भवन का स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भूमिपूजन किया बहुमंजिला भवन का निर्माण 22 माह में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है भवन के निर्माण से जिला स्तरीय प्रशासनिक व्यवस्था को एक ही परिसर में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है नए भवन के तैयार होने के बाद कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, खनिज, परिवहन सहित विभिन्न जिला स्तरीय कार्यालय एक ही परिसर में संचालित किए जाएंगे। इससे आम नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों में जाने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है एक ही परिसर में कार्यालयों के संचालन से विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने के साथ प्रशासनिक कार्यों में भी तेजी आने की संभावना है स्थापना दिवस पर मिली बड़ी सौगात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के साथ एमसीबी जिले के लिए स्थापना दिवस के रूप में भी विशेष महत्व रखता है। चार वर्ष पूर्व 15 अगस्त को ही यह क्षेत्र नए जिले के रूप में अस्तित्व में आया था उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के साथ शुरुआत करने वाले एमसीबी जिले में अब प्रशासनिक अधोसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, पूर्व विधायक चंपा देवी पावले जिला पंचायत सदस्य उजित नारायण सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे इसके अलावा कलेक्टर संतन देवी जांगड़े, एसपी रत्ना सिंह, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की अस्पताल, सड़क और रेल परियोजनाओं को भी गति मंत्री ने बताया कि जिला पंचायत भवन के निर्माण के लिए भी करीब 10 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने जिले में चल रहे अन्य विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि करीब 40 करोड़ रुपए के अस्पताल निर्माण तथा 42 करोड़ रुपए के सड़क निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है इसके साथ ही मनेंद्रगढ़-चिरमिरी रेलवे लाइन के लिए लगभग 659 करोड़ रुपए के टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है भूमिपूजन के बाद स्वास्थ्य मंत्री, कलेक्टर और एसपी ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने संबंधित निर्माण एजेंसी को भवन निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए मंत्री ने कहा कि एमसीबी जिले में विकास कार्यों की गति लगातार बढ़ रही है नया एकीकृत जिला कार्यालय भवन प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

दतिया के डायल-112 हीरोज ने बचाई युवती की जान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दतिया जिले के गोराघाट थाना क्षेत्र में डायल-112 टीम की तत्परता और सूझबूझ से सिंध नदी के पास संकट में पहुंची 32 वर्षीय युवती की जान बचा ली गई। सूचना मिलने के महज 5 मिनट के भीतर डायल-112 एफआरव्ही टीम मौके पर पहुंची और एक महिला की सहायता से युवती को सुरक्षित स्थान पर लाने में सफलता हासिल की जानकारी के अनुसार 15 अगस्त को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना मिली थी कि गोराघाट थाना क्षेत्र में सिंध नदी के पास एक युवती पहुंची है और वह नदी में कूदने का प्रयास कर रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल गोराघाट क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया पांच मिनट में मौके पर पहुंची टीम डायल-112 टीम में तैनात आरक्षक राघवेंद्र शर्मा एवं पायलट गिर्राज शर्मा ने बिना समय गंवाए घटनास्थल की ओर रवाना होकर महज पांच मिनट में मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। टीम ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संयम और संवेदनशीलता के साथ युवती को सुरक्षित रखने का प्रयास किया मौके पर पुलिस जवानों ने एक महिला की सहायता से युवती को सुरक्षित पकड़कर नदी में जाने से रोक लिया। इसके बाद उसे सुरक्षित स्थान पर लाया गया। पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई के चलते संभावित गंभीर हादसा टल गया आपात स्थिति में तत्पर सेवा डायल-112 की इस कार्रवाई को पुलिस की डायल-112 हीरोज श्रृंखला के तहत उल्लेखनीय पहल बताया गया है घटना यह दर्शाती है कि आपात परिस्थितियों में सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम किस प्रकार तेजी से मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर सकती है मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए संचालित है दतिया में टीम की इस कार्रवाई से एक बार फिर पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण सामने आया।

रतलाम में सराफा व्यापारी से करोड़ों की लूट का 48 घंटे में खुलासा

300 से अधिक CCTV फुटेज और साइबर साक्ष्यों के विश्लेषण से पुलिस आरोपियों तक पहुंची, 6 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। रतलाम पुलिस ने सराफा व्यापारी से हुई करोड़ों रुपए की लूट का महज 48 घंटे में खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5 करोड़ 50 लाख रुपए से अधिक कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।कार्रवाई में आधुनिक तकनीक साइबर साक्ष्यों और पारंपरिक पुलिसिंग का समन्वय अहम रहा घटना 13 अगस्त की रात बिलपांक थाना क्षेत्र के हनुमान चौकी, उमरथाना फंटा के पास हुई थी रतलाम निवासी सराफा व्यापारी अर्पित चोरड़िया व्यापारिक कार्य से बड़नगर गए थे वहां आभूषणों की बिक्री के बाद वे बस से रतलाम लौट रहे थे इसी दौरान बड़नगर से बस में सवार दो व्यक्ति व्यापारी के पास पहुंचे और उनका बैग छीनने का प्रयास किया विरोध करने पर अन्य आरोपियों ने मारपीट कर बैग छीन लिया और फरार हो गए बैग में सोने-चांदी के आभूषण नकदी और दस्तावेज रखे थे घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस की विशेष टीमें गठित की गईं टीमों ने घटनास्थल से बड़नगर तक विभिन्न मार्गों पर लगे 300 से अधिक CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले इसके साथ फरियादी, बस चालक परिचालक और क्लीनर से पूछताछ की गई तथा घटनास्थल से भौतिक साक्ष्य जुटाए गए साइबर सेल ने तकनीकी एवं डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण कर संदिग्धों की गतिविधियों और आपसी संपर्कों की जानकारी जुटाई इन सभी जानकारियों को जोड़कर पुलिस संदिग्ध आरोपियों तक पहुंची 15 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी हिम्मतगढ़ पहाड़ी क्षेत्र में मौजूद हैं सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीमों ने घेराबंदी कर छह संदिग्धों को हिरासत में लिया पूछताछ में आरोपियों ने घटना में शामिल होना स्वीकार किया पुलिस ने आरोपियों से सोने के 238 नग जेवरात वजन 4.167 किलोग्राम और चांदी के 183 नग जेवरात वजन 4.047 किलोग्राम बरामद किए कुल 421 नग सोने-चांदी के आभूषण वजन 8.214 किलोग्राम सहित करीब 5.50 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर लूट की वारदात और अन्य आपराधिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

आईटीआई कॉलेज हॉस्टल से 19 वर्षीय छात्रा लापता, पुलिस ने शुरू की तलाश

प्रैक्टिकल देने के लिए निकली थी छात्रा, पिछोर नहीं पहुंची; परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी स्थित आईटीआई कॉलेज के हॉस्टल में रहकर कंप्यूटर डिप्लोमा कर रही 19 वर्षीय छात्रा नंदनी लोधी के लापता होने का मामला सामने आया है छात्रा 10 अगस्त को हॉस्टल से दो दिन की छुट्टी लेकर प्रैक्टिकल देने के लिए निकली थी लेकिन इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों की शिकायत पर खनियाधाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार मुहारीकला निवासी जागेश कुमार लोधी ने पुलिस को बताया कि उनकी छोटी बहन नंदनी शिवपुरी आईटीआई कॉलेज में कंप्यूटर डिप्लोमा की पढ़ाई कर रही थी और कॉलेज के हॉस्टल में रहती थी। 10 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे वह हॉस्टल से निकली थी पिछोर में प्रैक्टिकल देने की कही थी बात परिजनों के मुताबिक 11 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे नंदनी ने किसी अन्य मोबाइल नंबर से अपने भाई को फोन किया और बताया कि वह पिछोर में प्रैक्टिकल देने के लिए आ रही है भाई दोपहर करीब 1 बजे तक पिछोर में उसका इंतजार करता रहा, लेकिन नंदनी वहां नहीं पहुंची इसके बाद भाई शिवपुरी स्थित आईटीआई कॉलेज के हॉस्टल पहुंचा वहां जानकारी मिली कि नंदनी एक दिन पहले ही हॉस्टल से निकल चुकी थी इसके बाद परिजनों ने शिवपुरी पिछोर और रिश्तेदारों के यहां छात्रा की तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी बताया गया है कि नंदनी के पास अपना मोबाइल फोन भी नहीं था। लगातार तलाश के बाद भी छात्रा का सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी परिजनों की सूचना के आधार पर खनियाधाना पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है पुलिस छात्रा की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों और संभावित स्थानों पर जानकारी जुटा रही है साथ ही छात्रा के हॉस्टल से निकलने के बाद उसके संभावित मार्ग और संपर्कों की भी जांच की जा रही है पुलिस का कहना है कि छात्रा के संबंध में कोई जानकारी मिलने पर उसे जांच में शामिल किया जाएगा फिलहाल परिजन छात्रा के सुरक्षित वापस लौटने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

मोपका बाईपास पर चाकू की नोक पर लूट तीन नाबालिग बाल न्यायालय पेश

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। में मोपका बाईपास रोड पर चाकू की नोक पर मोबाइल लूटने के मामले में कोनी पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है इस वारदात में शामिल तीन नाबालिगों को बाल न्यायालय में पेश किया गया है पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए दो मोबाइल फोन और 230 रुपए नकद सहित कुल 16,730 रुपए की संपत्ति बरामद की है। गिरफ्तार किए गए वयस्कों में बरपाली निवासी राजेश सूर्यवंशी (19), दुर्गेश लोनिया (28) और दुर्गेश लोनिया उर्फ दुर्गा (19) शामिल हैं कटनी (मध्य प्रदेश) निवासी बसंत कुमार मैहर ने कोनी थाने में इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 5-6 अज्ञात लोगों ने उन्हें और उनके दोस्त को चाकू दिखाकर डराया और उनके दो मोबाइल फोन तथा कुछ नकदी लूटकर फरार हो गए थे मामले की गंभीरता को देखते हुए कोनी पुलिस ने निरीक्षक जितेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया पतासाजी के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर राजेश सूर्यवंशी, दुर्गेश लोनिया, दुर्गेश लोनिया उर्फ दुर्गा और तीन नाबालिगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की पहचान की कार्रवाई के बाद आरोपियों ने मोबाइल फोन और नकदी लूटने की बात स्वीकार की। पुलिस ने वयस्कों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। वहीं नाबालिगों को बिलासपुर के बाल न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

मूंग पास कराने किसान से मांगी 5 हजार की रिश्वत, सर्वेयर पर FIR

वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन की कार्रवाई 10 दिन में सर्वेयरों के खिलाफ तीसरी FIR

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी के दौरान किसानों से रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है पिपरिया स्थित शाकंभरी वेयरहाउस के उपार्जन केंद्र का बताया जा रहा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन ने नेफेड (NAFED) से नियुक्त कंपनी एनसीएमएल (NCML) के सर्वेयर महेंद्र सिंह ठाकुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है वायरल वीडियो 1 अगस्त का बताया जा रहा है मूंग पास कराने के लिए मांगे रुपए वायरल वीडियो में सर्वेयर किसान से मूंग पास कराने के एवज में5 हजार रुपए की मांग करता दिखाई दे रहा है। बातचीत में 4 हजार रुपए खुद के लिए और 1 हजार रुपए किसी अन्य व्यक्ति के लिए मांगे जाने की बात सामने आती है किसान द्वारा राशि कम करने की बात कहने पर सर्वेयर मूंग में मिट्टी होने की बात कहता है और इसके बावजूद उसे पास कर खरीदी करने की बात करता है वीडियो में किसान द्वारा सर्वेयर को 4500 रुपए देने की बात भी सामने आती है मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने शिकायत की जांच कराई। जिला विपणन अधिकारी अनिल जैन के अनुसार उपार्जन केंद्र पर मूंग की गुणवत्ता जांच के दौरान किसानों से अवैध राशि मांगने की शिकायत मिली थी कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जांच कराई गई, जिसमें शिकायत सही पाए जाने के बाद पिपरिया थाने में सर्वेयर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई 10 दिन में तीसरी FIR सरकारी मूंग खरीदी में अनियमितताओं के मामले में पिछले 10 दिनों में सर्वेयरों के खिलाफ यह तीसरी एफआईआर बताई जा रही है।इससे पहले माखननगर क्षेत्र के राधा कृष्ण वेयरहाउस काजलखेड़ी और चेतन वेयरहाउस फुरतला स्थित उपार्जन केंद्रों पर भी शिकायतों के बाद कार्रवाई हुई थी संबंधित संचालकों, समिति प्रबंधकों और सर्वेयरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए थे वायरल वीडियो में सर्वेयर द्वारा एक हजार रुपए किसी अन्य व्यक्ति के लिए मांगने की बात भी सामने आई है इस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई हुई है ।

जिले में अब तक 708.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में मानसून की सक्रियता के बीच 1 जून से 16 अगस्त 2026 तक कुल 708.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार जिले में सबसे अधिक बारिश मनेन्द्रगढ़ तहसील में हुई है जबकि सबसे कम वर्षा केल्हारी तहसील में दर्ज की गई है। लगातार हो रही बारिश से जिले के कई क्षेत्रों में जलस्त्रोतों में पानी की आवक बढ़ी है तथा किसानों को खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त नमी मिलने की उम्मीद है कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार मनेन्द्रगढ़ तहसील में 841.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो जिले में सर्वाधिक है। वहीं चिरमिरी तहसील में 804.2 मिमी बारिश दर्ज हुई है। भरतपुर तहसील में 725.5 मिमी तथा कोटाडोल तहसील में 748.5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है इसी तरह झगड़ाखांड तहसील में 579.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई जबकि केल्हारी तहसील में 551.0 मिमी बारिश हुई है आंकड़ों के मुताबिक तहसीलवार वर्षा में मनेन्द्रगढ़ सबसे आगे है और केल्हारी में अब तक सबसे कम बारिश दर्ज हुई है बारिश के चलते जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में पर्याप्त नमी बनी हुई है। खरीफ फसलों की स्थिति के लिए यह वर्षा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रशासन द्वारा वर्षा से संबंधित आंकड़ों का नियमित संधारण किया जा रहा है। मौसम में बदलाव के साथ जिले के विभिन्न हिस्सों में वर्षा की स्थिति पर भी लगातार नजर रखी जा रही है प्रशासन ने नागरिकों से बारिश के दौरान नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचने तथा मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की अपील की है। जिले में अब तक दर्ज वर्षा के आंकड़े मानसून की स्थिति को दर्शाते हैं और आगामी दिनों में होने वाली बारिश से औसत वर्षा के आंकड़े में और वृद्धि होने की संभावना बनी हुई है।

67 इंटरनेशनल मेडल जीत चुके श्रीमंत झा बोले- नौकरी नहीं मिली तो मेडल नीलाम कर दूंगा

मां ने मंगलसूत्र गिरवी रखा, पिता ने मजदूरी कर उठाया पढ़ाई और खेल का खर्च शहीद राजीव पांडे पुरस्कार की मांग

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। देश के लिए करीब 15 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत रहे छत्तीसगढ़ के पैरा आर्म रेसलर श्रीमंत झा ने सरकारी नौकरी और खेल सम्मान नहीं मिलने पर अपने 67 इंटरनेशनल मेडल नीलाम करने की बात कही है श्रीमंत ने कहा कि यदि इस बार भी उन्हें शहीद राजीव पांडे पुरस्कार और सरकारी नौकरी नहीं मिलती है, तो वह अपने पदकों को नीलाम कर उनसे मिलने वाली राशि से माता-पिता का कर्ज चुकाएंगे और छोटा कारोबार शुरू करेंगे 15 अगस्त को दुर्ग बटालियन में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में डिप्टी सीएम अरुण साव ने श्रीमंत झा को सम्मानित किया सम्मान के बाद उन्होंने अपने संघर्ष और परिवार की आर्थिक स्थिति को लेकर अपनी बात रखी मां ने मंगलसूत्र गिरवी रखा श्रीमंत ने बताया कि उनके खेल और पढ़ाई के सफर में परिवार ने काफी आर्थिक कठिनाइयां झेलीं उनकी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए मां ने अपना मंगलसूत्र तक गिरवी रखा, जबकि पिता ने मजदूरी कर उनकी पढ़ाई, डाइट और जिम का खर्च उठाया। परिवार को उम्मीद थी कि खेल में सफलता के बाद उन्हें सरकारी नौकरी मिलेगी और आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। इसी उम्मीद में परिवार पर कर्ज बढ़ता चला गया कई साल से कर रहे पुरस्कार का आवेदन श्रीमंत के अनुसार वह कई वर्षों से शहीद राजीव पांडे पुरस्कार के लिए आवेदन कर रहे हैं हर बार अपनी खेल उपलब्धियों के साथ आवेदन प्रस्तुत किया, लेकिन अब तक उन्हें यह सम्मान नहीं मिला उनका कहना है कि 67 अंतरराष्ट्रीय मेडल जीतने के बावजूद सरकारी नौकरी और राज्य के इस खेल सम्मान का इंतजार जारी है 2032 पैरालंपिक में गोल्ड का सपना भिलाई निवासी श्रीमंत झा ने करीब 15 वर्षों के खेल करियर में भारत का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व किया है उनके अनुसार वह पैरा आर्म रेसलिंग में विश्व में नंबर-3 और एशिया में नंबर-1 स्थान पर रह चुके हैं उनका सपना 2032 पैरालंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना है श्रीमंत ने सरकार से अपील की है कि उनकी खेल उपलब्धियों और मेरिट के आधार पर उन्हें शहीद राजीव पांडे पुरस्कार तथा सरकारी नौकरी दी जाए उनका कहना है कि सरकारी नौकरी मिलने से उनके माता-पिता के वर्षों के त्याग और उनके लंबे खेल संघर्ष को उचित सम्मान मिल सकेगा।

एनएच-46 पर प्याज से भरा ट्रक पलटा, चालक घायल

अटलपुर के पास सड़क पर अचानक गाय आने से हुआ हादसा सड़क पर बिखरी प्याज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एनएच-46 पर अटलपुर गांव के पास प्याज से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया हादसे में ट्रक चालक आसिफ खान घायल हो गए उनके सिर में चोट आई है। दुर्घटना के बाद ट्रक में लदी प्याज सड़क पर बिखर गई, जिससे मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई जानकारी के अनुसार ट्रक चालक नासिक से प्याज लेकर अलीगढ़ जा रहा था चालक आसिफ खान ट्रक में अकेले सवार थे और उनके साथ कोई हेल्पर नहीं था। अटलपुर गांव के पास पहुंचने के दौरान अचानक सड़क पर एक गाय आ गई ततत गाय को बचाने के प्रयास में पलटा ट्रक प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क पर अचानक गाय आ जाने के बाद चालक ने उसे बचाने का प्रयास किया इसी दौरान ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया हादसे में चालक के सिर में चोट आई दुर्घटना के बाद ट्रक में भरी प्याज सड़क पर फैल गई आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल चालक को ट्रक से बाहर निकाला इसके बाद उसे उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका इलाज कराया गया पुलिस ने शुरू की जांच हादसे की सूचना मिलने पर बदरवास थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है पुलिस द्वारा हादसे से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है दुर्घटना के बाद सड़क पर बिखरी प्याज को हटाने और यातायात व्यवस्था को सामान्य करने के प्रयास भी किए गए।

खुरई में वाहन की टक्कर से रोजगार सहायक की मौत

मीडिया ऑडीटर,बीना (निप्र)। खुरई के बीना रोड पर रीठौर गांव के पास शनिवार रात वाहन की टक्कर से बाइक सवार रोजगार सहायक रघुराज सिंह राजपूत (32) की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल रघुराज को एम्बुलेंस की मदद से खुरई सिविल अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे में रघुराज सिंह के जबड़े में गंभीर चोट आई थी, जो पूरी तरह बाहर निकल गया था। उनकी हालत बेहद गंभीर थी। डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सागर रेफर करने की तैयारी की, लेकिन रेफर किए जाने से पहले ही उनकी स्थिति बिगड़ गई और उनका निधन हो गया।

रोजगार सहायक के पद पर था मृतक: मृतक रघुराज सिंह पिता मेहरवान सिंह राजपूत (32) सरखड़ी गांव के निवासी थे और अपने ही गांव में रोजगार सहायक के पद पर कार्यरत थे। वे खुरई के घोरट रोड पर अपने परिवार के साथ रहते थे, जहां उनके बच्चे भी पढ़ाई करते हैं। शनिवार रात वे गांव से अपने लिए दूध लेकर बाइक से खुरई स्थित घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। रोजगार सहायक के भाई ब्रजेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मारी थी। सूचना मिलने पर एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। खुरई देहात थाना पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। रोजगार सहायक के निधन की खबर से परिवार में मातम छा गया है। अस्पताल प्रबंधन ने शव को मर्चुरी में रखवा दिया है। रविवार को शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

दो दिन पहले कॉल आने पर घर से निकला था; बाइक 200 मीटर दूर खड़ी मिली

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र के डाबरा-इमलिया गांव में 22 वर्षीय युवक सिद्धार्थ सिंह की खेत के तालाब में डूबने से मौत हो गई। 13 अगस्त की रात करीब 9 बजे सिद्धार्थ के मोबाइल पर किसी व्यक्ति का फोन आया था। फोन पर बात करने के बाद उसने परिजनों से कहा कि वह 5 मिनट में वापस आ रहा है, लेकिन इसके बाद वह घर नहीं लौटा। दो दिन तक तलाश के बाद 15 अगस्त को उसका शव खेत के तालाब में मिला। मृतक के मामा इंद्रपाल सिंह ने बताया कि रात 9 बजे फोन आने के बाद सिद्धार्थ अपनी इलेक्ट्रिक बाइक से घर से निकला था। रात करीब 11 बजे तक उसका मोबाइल चालू था, इसके बाद फोन बंद हो गया। परिजन रातभर उसके लौटने का इंतजार करते रहे। 14 अगस्त को तलाश शुरू करने के साथ थाना कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई गई।

तालाब में उल्टा पड़ा मिला सिद्धार्थ: 15 अगस्त को सिद्धार्थ के बड़े पिता महेंद्र सिंह खेत की ओर गए थे। वहां उन्होंने तालाब में सिद्धार्थ को उल्टा पड़ा देखा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मदद से उसे तालाब से बाहर निकाला। उसकी जेब में मोबाइल रखा मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। घटनास्थल पर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव जिला अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

घटनास्थल से 200 मीटर दूर खड़ी मिली बाइक: परिजनों के मुताबिक सिद्धार्थ जिस इलेक्ट्रिक बाइक से घर से निकला था, वह तालाब से करीब 200 मीटर दूर खड़ी मिली। इसी बात को लेकर परिजन घटना को संदिग्ध मान रहे हैं। उनका कहना है कि पुलिस यह पता लगाए कि सिद्धार्थ को रात में फोन कर बुलाने वाला व्यक्ति कौन था और उसके बाद उसके साथ क्या हुआ।

कॉल डिटेल से होगी जांच: थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मोबाइल जब्त किया गया है। जिस व्यक्ति का फोन सिद्धार्थ के पास आया था, उसकी पहचान कॉल डिटेल के आधार पर की जाएगी। मर्ग कायम कर पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार युवक की मौत तालाब में डूबने से हुई है।

सीहोर में बारिश का दौर जारी:26.75 इंच पहुंची औसत बारिश, अगले 48 घंटे भारी बारिश के आसार

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसूनी गतिविधियों के चलते रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। कभी रिमझिम तो कभी हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। भू-अभिलेख विभाग द्वारा 16 अगस्त को जारी दैनिक वर्षा आंकड़ों के अनुसार, जिले में अब तक 26.75 इंच औसत बारिश दर्ज की जा चुकी है।

सीहोर केंद्र में सबसे ज्यादा बारिश: 1 जून से 16 अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, सीहोर वर्षामापी केंद्र में सबसे ज्यादा 32.68 इंच बारिश दर्ज की गई है। इसके बाद रहटी में 29.58 इंच, भैरूंदा में 27.12 इंच और बुधनी में 26.37 इंच बारिश हुई है। आष्टा में 26.18 इंच, इछावर में 25.82 इंच, श्यामपुर में 24.75 इंच और जावर में सबसे कम 21.45 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है।

पिछले साल से 0.74 इंच कम बारिश: पिछले वर्ष इसी अवधि तक जिले में औसतन 27.49 इंच बारिश दर्ज की गई थी। इस साल अब तक औसत बारिश 26.75 इंच है, यानी पिछले साल की तुलना में करीब 0.74 इंच कम बारिश हुई है।जिले की सामान्य औसत वर्षा 45.21 इंच है। इस लिहाज से अभी सीहोर में सीजन की सामान्य बारिश का आंकड़ा पूरा नहीं हुआ है।

बंगाल की खाड़ी के सिस्टम का असर3 मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने मानसूनी सिस्टम और सक्रिय ट्रफ लाइन के कारण प्रदेश के मध्य हिस्सों में लगातार नमी पहुंच रही है। इसी वजह से सीहोर सहित आसपास के क्षेत्रों में बारिश का दौर बना हुआ है।

ट्रक से टकराई कार, पति-पत्नी समेत 2सगी बहनों की मौत दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर घिसटते हुए पलटा वाहन; खाटूश्याम जा रहा था झाबुआ का परिवार

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेसवे पर शिवगढ़ थाना क्षेत्र के कजलिया पाड़ा के पास शुक्रवार रात करीब 11.30 बजे तेज रफ्तार अर्टिगा कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार ट्रक से टकराने के बाद घिसटते हुए आगे जाकर पलट गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार पति-पत्नी और दो सगी बहनों समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों में तीन और सात साल के दो बच्चे भी शामिल हैं। सभी घायलों को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

खाटूश्याम दर्शन के लिए पारा से निकला था परिवारः कार में सवार सभी लोग एक ही परिवार से जुड़े थे और इंदौर, धार, झाबुआ व आलीराजपुर जिले के रहने वाले थे। झाबुआ जिले के पारा निवासी मीना वर्मा शुक्रवार रात करीब 9.30 बजे अपनी इकलौती बेटी लिशा, दामाद जतिन वर्मा, अपनी दो सगी बहनों, एक बहनोई और परिवार के अन्य सदस्य के साथ खाटूश्याम दर्शन के लिए राजस्थान रवाना हुई थीं।

कार क्रमांक ख्क्र09 छ्रु8098 दामाद जतिन वर्मा (32) पिता हरिनारायण वर्मा, निवासी जोबट, जिला आलीराजपुर चला रहे थे। कजलिया पाड़ा के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक में कार पीछे से जा घुसी। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर पलट गई। पति-पत्नी और दो सगी बहनों की मौत हादसे में जतिन वर्मा (32), उनकी पत्नी लिशा (26), रानू (35) पति अरुण जादम निवासी इंदौर और पप्पी (39) पति राजेंद्र मांझी निवासी टांडा, जिला धार की मौत हुई है। रानू और पप्पी, घायल मीना वर्मा की सगी बहनें थीं। लिशा और जतिन की शादी करीब 8 महीने पहले ही हुई थी। मां मीना वर्मा अपनी इकलौती बेटी और दामाद को खाटूश्याम दर्शन कराने लेकर जा रही थीं। शनिवार दोपहर चारों मृतकों के पोस्टमार्टम के बाद परिजन शवों को अपने-अपने घर ले गए। परिवार में मातम का माहौल रहा और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

दो बच्चों ने हादसे में अपनी मां को खो दिया: हादसे में मीना वर्मा के अलावा मृतक रानू के पति अरुण जादम, रवि पिता दीपचंद कहार निवासी पारा तथा मृतक पप्पी की 3 वर्षीय बेटी दिशा और मृतक रानू का 7 वर्षीय बेटा दक्ष घायल हुए हैं। इस हादसे में दिशा और दक्ष ने अपनी-अपनी मां को खो दिया। दोनों बच्चों का भी इलाज कराया जा रहा है। रात 11.45 बजे पहुंची एंबुलेंस, क्रेन से निकाले गए फंसे लोग हादसे की सूचना स्थानीय लोगों ने रात में दी। सूचना मिलते ही एनएचआई की एंबुलेंस टीम के संजय चरपोटा, पायलट प्रताप सहित अन्य स्टाफ मौके पर पहुंचा। शिवगढ़ थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई।एंबुलेंस व अन्य स्टाफ करीब रात 11.45 बजे मौके पर पहुंचा, जबकि क्रेन करीब 11.55 बजे पहुंची। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार लोग अंदर फंस गए थे।

ट्रक में खराबी के कारण सड़क किनारे खड़ा था

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक ट्रक में खराबी आने के कारण उसे सड़क किनारे खड़ा किया गया था। रात के समय कार की रफ्तार अधिक होने से चालक को ट्रक नजर नहीं आया और कार सीधे उसके पिछले हिस्से में जा घुसी। शनिवार दोपहर एसडीओपी किशोर पाटनवाला और एफएसएल अधिकारी डॉ. अतुल मित्तल भी घटनास्थल और घायलों से मिले। अधिकारियों ने घायलों से घटना के संबंध में जानकारी ली। एसडीओपी किशोर पाटनवाला ने बताया कि प्रथमदृष्टया जांच में कार सड़क पर खड़े ट्रक में पीछे से घुसती हुई सामने आई है। हादसे की जांच की जा रही है।

मंदसौर में मानसून ने ली राहत की सांस अब बूंदाबांदी का दौर; 18 अगस्त से फिर बढ़ सकती हैं मानसूनी गतिविधियां

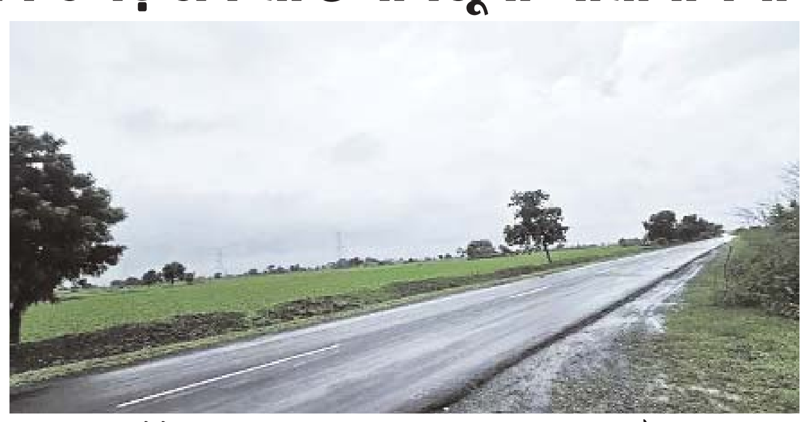

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में पिछले दिनों हुई तेज बारिश के बाद अब इसका सिलसिला थम गया है। शहर समेत जिले के अधिकांश हिस्सों में फिलहाल बूंदाबांदी और हल्की फुहारें ही पड़ रही हैं। हालांकि, आसमान में बादल छाए हुए हैं और कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश की स्थिति बनी हुई है। मंदसौर के साथ-साथ दलौदा, अफजलपुर, सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, मल्हारगढ़, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, डिगांव और बरखेड़ा जैसे अधिकांश क्षेत्रों में भी रुक-रुककर हल्की फुहारें और बूंदाबांदी जारी है। इस मानसून सीजन में मंदसौर जिले में कुल 20.33 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी अवधि तक जिले में 20.97 इंच बारिश हुई थी। इस प्रकार, इस वर्ष अब तक बारिश का आंकड़ा पिछले साल की तुलना में लगभग आधा इंच कम है।

दो दिन बाद फिर मानसूनी गतिविधियां होंगी: पिछली अच्छी बारिश के कारण जिले के नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। इसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की कि पानी का बहाव कम होने तक नदी-नालों की पुलिया पार करने का प्रयास न करें। तेज बहाव वाले स्थानों पर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 17 अगस्त को जिले में बादल छाए रहेंगे और स्थानीय स्तर पर बारिश हो सकती है। इसके बाद 18 अगस्त के आसपास एक बार फिर मानसूनी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। 19 से 23 अगस्त के बीच भी मौसम पूरी तरह साफ रहने की संभावना नहीं है। इस अवधि में जिले में बादल छाए रहने के साथ रुक-रुककर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज बौछारें पड़ने की भी संभावना है। गरज-चमक के साथ तेज बौछारें पड़ने की संभावना कुल मिलाकर, मंदसौर जिले में अगले कुछ दिनों तक मानसूनी गतिविधियां जारी रहने की उम्मीद है।

सागर में लो प्रेशर और मानसून टर्फ का असर जिले में 24 घंटे में 17.8 मिमी बारिश, पिछले साल से 41% कम बारिश

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में लो प्रेशर एरिया और मानसून टर्फ के असर से सागर जिले में बारिश का दौर जारी है। रविवार सुबह से शहर समेत ग्रामीण इलाकों में काले-घने बादल छाए हुए हैं और रुक-रुककर बारिश हो रही है। बारिश के चलते दिन और रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

मालथौन में सबसे ज्यादा 80 मिमी बारिश: शनिवार रात से शुरू हुआ बारिश का दौर रविवार को भी जारी रहा। जिले में सबसे ज्यादा बारिश मालथौन में 80 मिमी यानी 3 इंच से अधिक दर्ज की गई। वहीं गढ़ाकोटा में करीब एक इंच बारिश हुई। सागर, जैसीनगर, रहली और खुरई में करीब आधा इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा बीना, बंडा, शाहगढ़, केसली और देवरी में भी हल्की बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में जिले में 17.8 मिमी यानी 0.7 इंच औसत बारिश दर्ज की गई है।

बंगाल की खाड़ी का सिस्टम डिप्रेशन में बदला: मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय लो प्रेशर एरिया अब डिप्रेशन में बदल गया है। इसका सबसे ज्यादा असर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में रहने की संभावना है। इसके चलते सागर संभाग के जिलों में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने जिले में अगले 24 घंटे के दौरान भी बारिश की संभावना जताई है। पिछले साल से 41% कम बारिश सागर जिले दर्ज हो चुकी है।

पेट्रोल पंप से 10 कदम दूर दुकानों में आग नर्मदापुरम में 5 दुकानें और 3 ठेले जले, 20 लाख से ज्यादा का नुकसान

नर्मदापुरम,एजेंसी। नर्मदापुरम के मुख्य बाजार सतरस्ते स्थित पेट्रोल पंप से सटी दुकानों में आग लग गई। घटना शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात 1 बजे की है। देखते ही देखते आग की ऊंची ऊंची लपटें उठने लगी। स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही रात्रि गश्ती पर मौजूद एसडीओपी जितेंद्र पाठक, कोतवाली टीआई गौरव बुंदेला, थाना स्टॉफ मौके पर पहुंचा। नगर पालिका से भी दमकल बुलाई गई। आग भीषण और तेजी से फैलता देख इटारसी नगरपालिका और एसपीएम की सीआईएसएफ यूनिट की फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। करीब एक घंटे बाद आग बुझाई जा सकी।

● 20 लाख रुपए के नुकसान की आशंका

नगर पालिका ने यहां टपों को रखवाया गया था। जिसमें पन्नी, स्टॉम्प बेंडर और रेडिमेट कपड़ों की दुकानों को छोटे व्यापारी संचालित करते है। आग से पांच दुकानों एवं तीन फुटपाथ पर ठेला लगाने वालों का सामान जलकर राख हो गया। 20 लाख रुपए से ज्यादा के सामान का नुकसान होने का अनुमान है। फिलहाल में आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। शार्ट सर्किट वजह हो सकती है।

● SDOP की तत्परता से बड़ी घटना होने से टली

आग जिस जगह लगी, उससे 10 कदम की दूरी पर ही पेट्रोल पंप है। आग पंप के दूसरी ओर की दुकानों तरफ फैली। गलती से भी पेट्रोप पंप की ओर फैलती तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। एसडीओपी जितेंद्र पाठक की तत्परता से आग पर काबू जा सका। उन्होंने तत्काल नर्मदापुरम नगर पालिका की 3 फायर बिग्रेड के साथ एसपीएम और इटारसी से भी फायर बिग्रेड को बुलाया, जिससे आग पर काबू पाया जा सका। स्थानीय लोगों के साथ पार्षद राजेंद्र उपाध्याय भी आग बुझाने में मोर्चा संभाले रहे।

● दुकानदारों का स्टॉक हादसे में राख

दुकानदार गौरव बागरी ने बताया मुझे कॉल आया कि दुकान में आग लगी है। जल्दी आ जाओ। मैं तुरंत मौके पर पहुंचा तो आग फैल चुकी थी और ऊंची लपटें उठ रही थी। दुकान में रखा करीब 10 लाख रुपए का माल जल गया। दुकानदार ओम प्रकाश परमार ने बताया मेरी 20 फीट की दुकान के अंदर बरसाती पन्नी और रक्षा बंधन के लिए राखियां रखी थीं। आग में पूरी भरी दुकान का सामान जल गया। करीब 3 लाख रुपए की राखियां और तीन लाख पन्नी रखी थीं।

खरगोन में कुएं में गिरा 8 फीट का कोबरा झाड़ी के सहारे सर्पमित्र ने किया रेस्क्यू, सुरक्षित निकालकर जंगल में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले के देवली गांव में रविवार सुबह एक खेत के करीब 50 फीट गहरे कुएं में लगभग 8 फीट लंबा कोबरा सांप गिर गया। कुएं में करीब 30 फीट पानी भरा होने के कारण सांप को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण था। सूचना मिलने पर पहुंचे सर्पमित्र छतर नागराज ने कड़ी मशक्कत के बाद कोबरा का सफल रेस्क्यू किया और उसे जंगल में छोड़ दिया।

कुएं में सांप देखकर सर्पमित्र को दी सूचना: यह घटना चेतन पवार के खेत की है। खेत के बंटाईदार शांतीलाल ने रविवार सुबह कुएं में सांप को देखा। इसके बाद उन्होंने सर्पमित्र छतर नागराज को सूचना दी। मौके पर पहुंचे नागराज ने देखा कि कुआं करीब 50 फीट गहरा है और उसमें लगभग 30 फीट पानी भरा हुआ है। पानी अधिक होने के कारण रेस्क्यू स्टिक सांप तक पहुंचाने में छोटी पड़ रही थी।

झाड़ी के सहारे ऊपर आया कोबरा: सर्पमित्र ने एक लंबी झाड़ी को रस्सी से बांधकर कुएं में डाला। झाड़ी को देखकर कोबरा उस पर चढ़ गया। उसे बाहर निकालने की कोशिश की गई, लेकिन करीब 10 फीट ऊपर आने के बाद सांप का संतुलन बिगड़ गया और वह दोबारा कुएं में गिर गया। इसके बाद दूसरी बार झाड़ी को कुएं में डाला गया। कोबरा के झाड़ी पर बैठने के बाद स्टिक की मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

कोबरा की फुंफकार से सहमे लोग: रेस्क्यू के दौरान कोबरा ने जोरदार फुंफकार मारी, जिससे आसपास मौजूद लोग कुछ देर के लिए सहम गए। हालांकि सर्पमित्र ने सावधानी बरतते हुए रेस्क्यू जारी रखा और आखिरकार सांप को कुएं से बाहर निकाल लिया।

करीब पांच दिन से पानी में तैर रहा था सांप: सर्पमित्र छतर नागराज ने बताया कि यह बेहद जहरीली कोबरा प्रजाति का सांप था। उनके अनुमान के मुताबिक कोबरा करीब पांच दिनों से कुएं में तैर रहा था। लंबे समय तक पानी में रहने के कारण वह काफी थककर सुस्त हो गया था। बाहर निकालने के बाद भी सांप कुछ देर तक निष्क्रिय रहा। बाद में उसे जंगल में उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया।

खंडवा में नर्मदा पर ब्रिज बनकर तैयार, डामरीकरण बाकी NHAI का दावा- दिवाली तक पूरा कंप्लीट होगा; उत्तर से दक्षिण की राह आसान होगी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट के तहत खंडवा के मोरटक्का गांव में नर्मदा नदी पर बन रहा सिक्सलेन ओवरब्रिज अब लगभग तैयार हो गया है। ब्रिज का सीमेंट-कांक्रीट का काम इसी महीने पूरा कर लिया गया है। अब सिर्फ डामरीकरण का काम बाकी है। बारिश के के बाद डामरीकरण होना हैं। ह्यढ्ढ का दावा है कि, कनेक्टिंग हाईवे समेत ब्रिज का पूरा काम दिवाली तक कंप्लीट हो जाएगा। NHAI के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आशीष बिरला ने बताया कि, नर्मदा पर सिक्सलेन ओवरब्रिज का सीसीकरण पूरा हो चुका है। फिलहाल ब्रिज से छोटे वाहन निकल रहे हैं। बारिश के कारण डामरीकरण नहीं किया जा सकता, इसलिए मौसम खुलने का इंतजार है। उनका कहना है कि, बारिश थमने के बाद काम में तेजी लाई जाएगी और डामरीकरण व कनेक्टिंग हाईवे का निर्माण पूरा किया जाएगा।

दो अलग-अलग 3-लेन पुल, कुल छह लेन की नई क्रॉसिंग: मोरटक्का में नर्मदा पर बन रहा यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक पुल नहीं है। यहां दो अलग-अलग 3-लेन पुल बनाए जा रहे हैं। दोनों मिलकर नर्मदा पर कुल छह लेन की नई क्रॉसिंग तैयार करेंगे। एक पुल पर एक दिशा का और दूसरे पर विपरीत दिशा का ट्रैफिक चलेगा। इससे मौजूदा पुराने मोरटक्का पुल पर वाहनों का दबाव काफी कम होगा। NHAI से जुड़े प्रोजेक्ट के अनुसार नया ब्रिज नदी तल से करीब 30 मीटर यानी 100 फीट से अधिक ऊंचाई पर है। नर्मदा के बीच पियर बनाने का काम सबसे चुनौतीपूर्ण रहा। खासकर नदी के बीच P-14 से P-17 पियर तैयार करने में तेज जलप्रवाह के कारण परेशानी आई थी। इसके लिए अस्थायी कॉफरडैम बनाकर निर्माण किया गया। अप्रैल 2025 में ओंकारेश्वर बांध से नियंत्रित पानी छोड़े जाने के बाद नदी का जलस्तर कम हुआ और नदी के बीच काम को गति दी गई।

हाईटेंशन टावर बने अड़चन, जमीन अधिग्रहण बाकी: हालांकि, पूरे हाईवे को निर्बाध रूप से चालू करने में अभी एक बड़ी अड़चन बाकी है।

● धनगांव से बलवाड़ा तक भी काम आखिरी दौर में

नर्मदा ब्रिज तैयार होने के साथ ही इसे जोड़ने वाले हाईवे का काम भी तेजी से चल रहा है। धनगांव से बलवाड़ा के बीच जहां-जहां फ्लाईओवर और अन्य स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं, वहां निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है। ब्रिज से वाहनों को सीधे हाईवे से जोड़ने के लिए कनेक्टिंग रोड का काम भी जारी है। ह्यढ्ढ के अधिकारियों के अनुसार, बारिश के कारण फिलहाल कुछ काम प्रभावित हो रहे हैं। मौसम सामान्य होते ही अलग-अलग हिस्सों में निर्माण की रफ्तार बढ़ाई जाएगी। लक्ष्य है कि अगले दो महीने में डामरीकरण सहित कनेक्टिंग हाईवे का काम पूरा कर लिया जाए।

पांचवें मैच में आयरलैंड की 6 विकेट से हार, अफगानिस्तान ने 4-0 से जीती वनडे सीरीज

Ireland lose fifth match by { wickets; Afghanistan win ODI series y-® - Cricket News in Hindi स्पोर्ट्स डेस्क। बेलफास्ट अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ शनिवार को सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में 6 विकेट से जीत हासिल की। इसी के साथ मेहमान टीम ने पांच मुकाबलों की सीरीज 4-0 से अपने नाम कर ली। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी आयरलैंड की टीम ने 50 ओवरों के खेल में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इस टीम को एंड्रयू बालबर्नी (13) के रूप में पहला झटका लगा, जो कप्तान पॉल स्टर्लिंग के साथ पहले विकेट के लिए 34 रन ही जुटा सके। इसके बाद टीम ने खाते में 5 और रन जुड़ने के बाद ही कप्तान स्टर्लिंग (20) का विकेट भी खो दिया। यहां से केड कारमाइकल ने हैरी टेक्टर के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 रन जुटाए। केड 22 रन बनाकर आउट हुए।

टेक्टर ने कर्टिस कैंपर के साथ पांचवें विकेट के लिए 55 रन जुटाए। टेक्टर 80 गेंदों में 4 चौकों के साथ 53 रन बनाकर आउट हुए, जहां से कैंपर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने जॉर्ज डॉकरेल के साथ छठे विकेट के लिए 57 गेंदों में 72 रन की साझेदारी की, जबकि जॉर्ज नील के साथ सातवें विकेट के लिए 64 रन जुटाए। कैंपर 84 गेंदों में 4 छक्कों और 7 चौकों के साथ 96 रन बनाकर आउट हुए, जबकि डॉकरेल ने 31 रन जुटाए। जॉर्डन ने नाबाद 23 रन की पारी खेली। मेहमान खेमे से अजमतुल्लाह ओमरजई ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि एमएम गजनफर ने 2 विकेट निकाले। मोहम्मद सलीम और नंगेलिया खरोती ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 48.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम ने 22 के स्कोर तक इब्राहिम जादरान (5) और रहमानुल्लाह गुरबाज (14) के विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कप्तान रहमत शाह ने सेदिकुल्लाह अटल के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की पटरी पर ला दिया। अटल 112 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 98 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यहां से रहमत शाह ने अजमतुल्लाह ओमरजई के साथ 56 जुटाए, जबकि हशमतुल्लाह शाहिदी के साथ पांचवें विकेट के लिए 23 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को जीत दिलाई। कप्तान रहमत शाह 133 गेंदों में 2 छक्कों और 13 चौकों के साथ 143 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि ओमरजई 14 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए। मेजबान खेमे से लियाम मैकार्थी ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। जय मूदड़ा ने 1 विकेट अपने नाम किया। -आईएएनएस

गाले टेस्टः भारत ने टॉस जीत चुनी बल्लेबाजी, श्रीलंका के लिए केशर नुवांथा का डेब्यू

गाले ,एजेसीं। भारत और श्रीलंका के बीच गाले में 2 मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट खेला जा रहा है। भारतीय टीम का यह 600वां टेस्ट है। इस लिहाज से मैच बेहद अहम है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। भारतीय कप्तान गिल ने टॉस जीतकर कहा, 'हम पहले बल्लेबाजी करेंगे। विकेट अच्छा लग रहा है और मौसम भी अच्छा लग रहा है। उम्मीद है कि यह हमारे लिए क्रिकेट का अच्छा दिन होगा। हम उसी प्लेइंग इलेवन के साथ गए हैं जो हमने पिछले मैच में खेली थी। हमारे पास पांच गेंदबाज हैं, दो तेज गेंदबाज और तीन स्पिनर। यह मैच हमारे लिए खास है। हमारा स्वतंत्रता दिवस है और यह मैच हमारा 600वां टेस्ट मैच है। देश का नेतृत्व करना हर बार खास होता है, इस ऐतिहासिक मौके पर यह और भी खास है।' श्रीलंका के कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने कहा, 'पिच अच्छी लग रही है। मैं भी बल्लेबाजी करने की सोच रहा था। यह काफी सूखी भी है। पथुम निसांका की जगह निशान मदुश्का आए हैं और निरोशन डिकवेला विकेटकीपिंग करेंगे। केशरा डेब्यू करेंगे। टीम में दो तेज गेंदबाज, दो स्पिनर, और दो ऑलराउंडर हैं, जिसमें मैं और सोनल दिनुशा शामिल हैं। यह गाले में 50वां टेस्ट मैच है। इसका हिस्सा बनना खास है। यह एक आइकॉनिक ग्राउंड है। मैं भी यह मैच खेलकर बहुत खुश हूं। ' भारत की प्लेइंग इलेवनः यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, मानव सुथार, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा। श्रीलंका की प्लेइंग इलेवनः लाहिरू उदारा, निशान मदुश्का, दिनेश चांदीमल, कामिंदू मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशर नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

वीनस विलियम्स सिनसिनाटी ओपन के पहले राउंड में हारीं, लगातार 13वां एकल मैच गंवाया

ओहायो ,एजेसीं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस

विलियम्स का एकल में हारने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को सिनसिनाटी ओपन के पहले राउंड में वीनस को कोलंबियाई क्वालीफायर एमिलियाना अरांगो से 6-2, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। 46 साल की अमेरिकी खिलाड़ी को डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के लिए वाइल्डकार्ड एंट्री दी गई थी, लेकिन वह अभी भी एकल मैच न जीतने का अपना सिलसिला खत्म नहीं कर पाईं। उनका हार का सिलसिला जुलाई 2025 से जारी है। 25 साल की क्वालीफायर अरांगो ने लिंडनर टेनिस सेंटर के ग्रैंडस्टैंड कोर्ट पर विलियम्स को एक घंटे और पांच मिनट में हरा दिया। विलियम्स की दोपहर की शुरुआत मुश्किल तरीके से हुई क्योंकि पहले गेम में उनकी सर्व टूट गई थी, और उन्हें एक ऐसे खिलाड़ी के खिलाफ मैच में वापस आने में परेशानी हुई जो लगातार दबाव बना रहा था। अरांगो ने अपने पांच में से चार ब्रेक-पॉइंट चांस को बदला और अपनी पहली सर्व के बाद 71 प्रतिशत पॉइंट्स हासिल किए, जबकि विलियम्स अपने एक ब्रेक के मौके को भूना नहीं पाईं और अपनी पहली सर्व के सिर्फ 41 प्रतिशत पॉइंट्स ही जीत पाईं। अरांगो के मुताबिक, शुरुआत में बढ़त बनाने से उनका नर्वसनेस शांत हुआ और वह मुकाबले पर नियंत्रण रख पाईं। अरांगो ने कहा, 'मेरा नर्वसनेस थोड़ा कम हुआ, शायद थोड़ी सांस लेने की जगह मिली। मुझे लगता है कि मैंने बस उस पर टिके रहने का अच्छा काम किया, उसे जितना हो सके खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। ' कोलंबियन को दूसरे राउंड में डिफेंडिंग चैंपियन और टॉप सीड इगा स्वियाटेक से खेलना होगा। विलियम्स के लिए, यह हार एकल में मुश्किल प्रदर्शन का नतीजा थी। उनकी सबसे हालिया जीत पिछले साल के वाशिंगटन टूर्नामेंट में हुई थी जब उन्होंने पेटन स्टर्न्स को हराया था। टूर्नामेंट में 11वीं बार हिस्सा ले रही विलियम्स ने कहा कि वह असल में हर समय स्थिति पर पूरी तरह से नियंत्रण में थीं, लेकिन बदकिस्मती से वह इसे उस तरह से पूरा नहीं कर पाईं जैसा वह चाहती थीं। अच्छी बात यह है कि मैं शॉट्स को नियंत्रित कर रही हूं।

लक्ष्य सेनः कॉमनवेल्थ में जीता स्वर्ण, ओलंपिक में भी देश को पदक की उम्मीद

नई दिल्ली,एजेसीं। भारत में बैडमिंटन बहुत ही तेजी से उभरता और लोकप्रिय

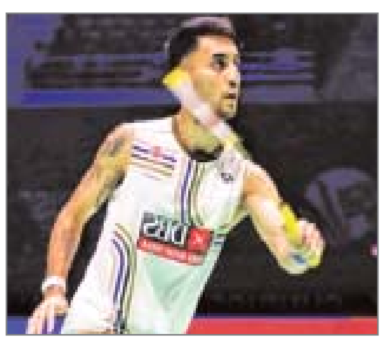

होता खेल है। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हासिल सफलता से वैश्विक स्तर पर अपना लोहा मनवाया है। विश्व पटल पर तेजी से उभरे जिन भारतीय खिलाड़ियों का नाम प्रमुखता से लिया है, उनमें लक्ष्य सेन प्रमुख हैं। वह एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। लक्ष्य सेन का जन्म 16 अगस्त 2001 को अल्मोड़ा, उत्तराखंड में हुआ था। बैडमिंटन सेन को विरासत में मिला है। इस खेल में वह अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी हैं। बैडमिंटन में बेहतर करियर के लिए लक्ष्य 10 साल की उम्र में बेंगलुरु चले गए। उन्होंने विमल कुमार से बैडमिंटन की ट्रेनिंग ली है। प्रकाश पाडुकोण उनके मेंटर रहे हैं। 2014 में, उन्होंने स्विस जूनियर इंटरनेशनल जीता। फिर फरवरी 2017 में वे बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर रैंकिंग में नंबर एक जूनियर एकल खिलाड़ी बन गए। सेन 2018 एशियन जूनियर चैंपियनशिप में चैंपियन बने, उन्होंने फाइनल में टॉप सीडेड वर्ल्ड जूनियर नंबर 1 कुनलावुत विटिडसार्न को 21-19, 21-18 से हराया। लक्ष्य ने यूथ ओलंपिक 2018 में मिश्रित टीम के साथ स्वर्ण पदक जीता था। जूनियर स्तर पर दमदार प्रदर्शन के सिलसिले को सेन ने सीनियर स्तर पर भी जारी रखा। उन्होंने 2021 विश्व चैंपियनशिप में एकल में कांस्य, थॉमस कप 2022 में पुरुष टीम के साथ स्वर्ण और थॉमस कप 2026 में पुरुष टीम के साथ कांस्य पदक जीता था। लक्ष्य ने 2022 में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक और मिश्रित टीम के साथ रजत पदक जीता था।

जोश हेजलवुड 300 टेस्ट विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के नौवें गेंदबाज बन

डार्विन ,एजेसीं। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच डार्विन में खेले जा रहे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने एक खास उपलब्धि अपने नाम की है। हेजलवुड ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे कर लिए हैं। हेजलवुड ने बांग्लादेश की पहली पारी में 28 ओवर में 89 रन देकर 6 विकेट लिए। इस दौरान 5वां विकेट लेते ही उनके 300 टेस्ट विकेट पूरे कर लिए। टेस्ट क्रिकेट में यह 14वां मौका था, जब हेजलवुड ने एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट लिए। हेजलवुड के अब 77 मैचों की 144 पारियों में 301 विकेट हो गए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 61 रन देकर 6 विकेट है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेजलवुड 300 टेस्ट विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के नौवें गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले शेन वॉर्न (708), नाथन लियोन (568), ग्लेन मैक्ग्रा (563), मिचेल स्टार्क (435), डेनिस लिली (355), पैट कमिंस (316), मिचेल जॉनसन (313), और ब्रेट ली (310) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। फिलहाल, हेजलवुड के साथ मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस ही सक्रिय हैं। तीनों डार्विन टेस्ट और ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम का अहम हिस्सा हैं। टेस्ट मैच की बात करें, तो इसमें ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बहुत कमजोर नजर आ रही है। ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 198 रन पर सिमट गई थी। स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 71 रन बनाए थे। बांग्लादेश के लिए हसन महमूद ने सर्वाधिक 6 विकेट लिए। गेंदबाजी की तरह बांग्लादेश ने बल्लेबाजी में भी दबदबा दिखाया और पहली

पारी में 426 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया पर 228 रन की अहम बढ़त ली, जो निर्णायक साबित हो सकती है। बांग्लादेश के लिए तंजिद हसन ने 101, कप्तान नजमुल हसन शांतो ने 84, और मेहदी हसन मिराज ने 65 रन की पारी खेली। हसन का यह पहला शतक था और किसी भी बांग्लादेशी बल्लेबाज द्वारा ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में खेली गई सबसे बड़ी पारी थी। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी लड़खड़ा गई है। रिपोर्ट लिखे जाने तक ऑस्ट्रेलिया ने 27 ओवर में 100 रन पर 3 विकेट गंवा दिए हैं। स्मिथ 37 और कैमरन ग्रीन 9 रन पर खेल रहे हैं।

मेरा आखिरी विश्व कप हो सकता है, पदक का सूखा खत्म करने का इरादाः मनप्रीत सिंह

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है। मनप्रीत ने कहा कि वह विश्व कप को जीतकर इसे यादगार बनाना चाहते हैं। मनप्रीत ने जियोस्टार पर कहा, 'यह विश्व कप मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह मेरा चौथा विश्व कप है। हमने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं, लेकिन विश्व कप पदक अभी भी बाकी है। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि दोनों हों। मेरे लिए, यह मेरा आखिरी विश्व कप हो सकता है, इसलिए मैं इसी सोच के साथ इसे खेल रहा हूं। मैंने वह हासिल करने का पक्का इरादा कर लिया है जो हमने अभी तक नहीं किया है।' उन्होंने कहा, 'टीम के पास आगे बढ़ने के लिए अनुभव और प्रतिभा है। हमने अच्छी तैयारी की है, और भरोसा बहुत है। भारतीय खेल हर जगह आगे बढ़ रहे हैं। हॉकी भी अलग नहीं है। हमने ओलंपिक पदक जीते हैं, और अब वर्ल्ड कप में आगे बढ़ने का समय है। ' मनप्रीत ने कहा, 'मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारी टीम में युवा और अनुभव का अच्छा बैलेंस है। हमारे कप्तान हरमनप्रीत सिंह, मंदीप सिंह और मैंने युवा खिलाड़ियों के साथ अपनी सीख साझा की है कि क्या काम किया, क्या नहीं, और हर मैच को पूरे फोकस के साथ कैसे खेलना है। टूर्नामेंट में हर मैच जरूरी है। हमें सही मनोदशा के साथ उतरना होगा, हर विपक्षी का सम्मान करना होगा और जीतने के लिए खेलना होगा। हमारे कोच ने फिटनेस पर जोर दिया है क्योंकि हम जानते हैं कि फिट रहने से हमें श्रेष्ठ के खिलाफ मुकाबला करने में मदद मिलती है। हमने अपने डिफेंस पर भी कड़ी मेहनत की है। एक मजबूत डिफेंस हमें अटैक करने और गेम पर नियंत्रण रखने का आत्मविश्वास देता है। ' कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बारे में मनप्रीत ने कहा कि वह एक बेहतरीन कप्तान हैं। वह आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करते हैं और फील्ड पर सभी का मार्गदर्शन करते हैं। वह मुश्किल समय में खिलाड़ियों को प्रेरित भी करते हैं और दबाव में टीम को शांत रखते हैं। गेम को पढ़ने की उनकी क्षमता बेहतरीन है। उनकी पासिंग रेंज, चाहे लॉन्ग ओवरहेड्स हों या ग्राउंड पास, शानदार है। उन्होंने कहा, 'वह अच्छी तरह संवाद करते हैं और डिफेंस को असरदार तरीके से व्यवस्थित करते हैं। वह दुनिया के बेस्ट ड्रैग-फ्लिकर्स में से एक हैं। उनके हिट्स में जबरदस्त ताकत और विविधता है, और जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तो वह हमेशा आगे आते हैं। उनके जैसा कप्तान होने से पूरी टीम को आत्मविश्वास मिलता है। ' मनप्रीत को भरोसा है कि इंडिया फाइनल में पहुंचेगी और ऐतिहासिक सफलता की उम्मीद रखती है। भारतीय टीम हॉकी विश्व कप 1975 में आखिरी बार पदक जीती थी। टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने के

बाद कप
टीम इंडिया को उम्मीद है कि हॉकी विश्व 2026 में का सूखा समाप्त होगा।

डार्विन टेस्टः बांग्लादेश ने 228 रन की बढ़त बनाई, ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में भी खराब शुरुआत

डार्विन ,एजेसीं। बांग्लादेश ने डार्विन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया पर पहली पारी के आधार पर 228 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। बांग्लादेश ने तीसरे दिन के खेल की शुरुआत 6 विकेट पर 349 रन से की। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए मेहदी हसन मिराज ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ उपयोगी अंशदान करते हुए टीम का स्कोर 426 तक पहुंचा दिया। मिराज नौवें विकेट के रूप में 154 गेंदों पर 65 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इससे पहले सलामी बल्लेबाज तंजिद हसन ने 101 और कप्तान नजमूल हसन शांतो ने 84 रन की पारी खेली थी। तंजिद का करियर के दूसरे ही मैच में पहला शतक था। वह ऑस्ट्रेलिया में बांग्लादेश की तरफ से पहला टेस्ट शतक लगाने और सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने थे।

बांग्लादेश ने 426 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया पर पहली पारी के आधार पर 228 रन की बढ़त ले ली है, जो निर्णायक साबित हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने सर्वाधिक 6 विकेट लिए। मिचेल स्टार्क ने 2, जबकि कप्तान पैट कमिंस, नाथन लियोन को 1-1 विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में शुरुआती झटका लगा है। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरवेल्ड दूसरी पारी में भी असफल रहे। उन्हें शून्य के स्कोर पर हसन महमूद ने बोल्ड कर दिया। खबर लिखे जाने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 10 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 36 रन बना लिए थे। ट्रेविस हेड 17 और मार्नस लाबुशेन 14 रन बनाकर क्रीज पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 198 रन पर सिमट गई थी। स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए हसन महमूद ने 6 विकेट लिए थे। तस्कीन अहमद और एबादत हुसैन को 2-2 विकेट मिला था।

वर्ल्ड कप हमारे लिए अहम, उम्मीद है जीतेंगेः हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली,एजेसीं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप खिताब के लिए देश के 51 साल के इंतजार को खत्म करने की बात कही है। हरमनप्रीत ने जियोस्टार पर कहा, 'वर्ल्ड कप हम सभी के लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि इस वर्ल्ड कप के बाद, आपको कभी नहीं पता होता कि क्या हो सकता है। टीम में कई सीनियर खिलाड़ी भी हैं, इसलिए हमारे लिए यह एक शानदार मौका है। हमने जितनी मेहनत की है और जिस तरह से ट्रेनिंग की है, हमें विश्वास है कि हम यह जरूर कर सकते हैं। यही हमारा एकमात्र लक्ष्य है, अपना बेस्ट देना और पदक जीतना। बेशक, टोक्यो और पेरिस में लगातार पदक जीतना हमारे लिए प्रेरक रहा है।' हरमनप्रीत ने कहा कि इस प्रतियोगिता में हम अंडरडॉग के तौर पर उतरेंगे, लेकिन यह हमारे पक्ष में हो सकता है। उम्मीदों का बोझ उठाने के बजाय, टीम इस टूर्नामेंट को वर्ल्ड स्टेज पर अपनी काबिलियत दिखाने के मौके के तौर पर देख रही है। उम्मीद है कि हम ट्रॉफी घर लाएंगे। यह सफर मुश्किल होगा, लेकिन हम तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'टीम एक-दूसरे पर भरोसा करती है और हमारी सोच सकारात्मक है। कौन स्कोर करता है या कौन डिफेंड करता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, जब तक हम एक टीम के तौर पर जीतते हैं। हम पूरी जान लगा देंगे। ' कप्तान ने कहा कि हमारा मकसद ट्रॉफी उठाना है, हमारा डिफेंस हमारी नींव है। एक अनुशासित डिफेंसिव ढांचा भारत को दूसरी तरफ ज्यादा मौके बनाने देगा। हमने उस एरिया में बहुत अच्छी प्रैक्टिस की है। भारत ने अपनी तैयारियों के दौरान अलग-अलग डिफेंसिव तरीकों पर बहुत काम किया है, जिसमें टीम फुल प्रेस, हाफ-कोर्ट प्रेस और लो प्रेस वाली स्थितियों के लिए ट्रेनिंग कर रही है। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम ने उन सिस्टम के अंदर अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए भी काफी समय दिया है। हरमनप्रीत का मानना ??है कि एक व्यवस्थित डिफेंस टीम को विरोधी टीम पर बार-बार दबाव बनाने और विरोधी सर्कल के अंदर स्कोरिंग के मौके बनाने का प्लेटफॉर्म मिल सकता है। क्योंकि जब आप अच्छा डिफेंस करते हैं, तो विरोधी टीम के जोन में घुसने के हालात बनेंगे। 50-50 मौकों को कैसे बदलना है, दबाव में अच्छी तरह से रिसीव कैसे करना है, और नतीजा कैसे निकालना है, चाहे वह गोल पर

शॉट हो या पेनल्टी कॉर्नर मिलना हो, ये चीजें बहुत जरूरी होंगी। भारत ने 1975 में अपनी जीत के बाद से पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप नहीं जीता है, और हरमनप्रीत का मानना ??है कि मौजूदा टीम के पास टाइटल के लिए चुनौती देने का अनुभव और आत्मविश्वास दोनों हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर संस्कृति एवं पुरातत्व संचालनालय में ध्वजारोहण

संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने किया ध्वजारोहण, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और राष्ट्र निर्माण में संस्कृति की भूमिका को किया रेखांकित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने किया ध्वजारोहण, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और राष्ट्र निर्माण में संस्कृति की भूमिका को किया रेखांकित संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने किया ध्वजारोहण, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और राष्ट्र निर्माण में संस्कृति की भूमिका को किया रेखांकित देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रायपुर स्थित संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह में संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों ने राष्ट्रगान के साथ देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर डॉ. संजय कन्नौजे ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की

शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारे अधिकारों का प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराती है। देश को स्वतंत्र कराने के लिए असंख्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। उनके त्याग, संघर्ष और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र वातावरण में अपने दायित्वों का निर्वहन कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं, कला, साहित्य, पुरातात्विक धरोहरों और विविधता में निहित एकता से है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत भी अत्यंत समृद्ध और विशिष्ट है। यहां की लोककला, लोकनृत्य, लोकगीत, जनजातीय परंपराएं, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरें हमारी गौरवशाली पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन धरोहरों का संरक्षण, संवर्धन और आने वाली पीढ़ियों तक उनका हस्तांतरण हम

सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। डॉ. कन्नौजे ने कहा कि संस्कृति और पुरातत्व से जुड़े विभागीय दायित्व केवल स्मारकों और धरोहरों के संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, इतिहास और गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य भी किया जाता है। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों से अपने कार्यों को पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता, पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश और देश के विकास में अपना योगदान देंगे। साथ ही, छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और पुरातात्विक विरासत को देश-दुनिया के सामने और अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों ने स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को उत्साह और गौरव के साथ मनाया। कार्यक्रम में संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह का समापन राष्ट्र की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए संकल्प के साथ हुआ।

छत्तीसगढ़ रेरा कार्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ रेरा कार्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) कार्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर रेरा के अध्यक्ष श्री संजय शुक्ला ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। समारोह में रेरा के सदस्य श्री धनंजय देवांगन, रजिस्ट्रार रेरा सुश्री आस्था राजपूत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

छत्तीसगढ़ के सभी जिला मुख्यालयों में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 15 अगस्त को 80 वें स्वतंत्रता दिवस राज्य एवं जिला स्तरीय समारोह भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य राज्य-स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए राज्य की विकास यात्रा और भावी योजनाओं को साझा किया। छत्तीसगढ़ भर के सभी जिला मुख्यालयों में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। प्रमुख जिला मुख्यालयों की बात करें तो राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली और आम जनता को संबोधित किया। वहीं बिलासपुर में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, दुर्ग में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और बस्तर (जगदलपुर) में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश का वाचन किया गया। सरगुजा में आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम, महासमुंद में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, दंतेवाड़ा में वन मंत्री श्री केदार कश्यप, कबीरधाम में उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने तिरंगा फहराकर परेड की सलामी ली और मुख्यमंत्री के जनता के नाम संदेश का वाचन किया गया। इसी क्रम में रायगढ़ में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, कांकेर में राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा में कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, जशपुर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल और बालोद में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश का वाचन किया गया। बलौदाबाजार-भाटापारा से सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा से सांसद श्री विजय बघेल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई से सांसद श्री संतोष पांडेय, कोंडागांव से सांसद श्री भोजराज नाग, बलरामपुर से सांसद श्री चिंतामणि महाराज और सारंगढ़-बिलाईगढ़ से सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने अपने-अपने आवंटित जिलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली और मुख्यमंत्री के जनता के नाम संदेश का वाचन किया गया।

देश को कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें कृषि वैज्ञानिक और विद्यार्थी: डॉ. चंदेल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति डॉ. (कर्नल) गिरीश चंदेल ने कृषि महाविद्यालय, रायपुर में आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रध्वज का आरोहण किया एवं परेड की सलामी ली। कुलपति डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर देश की आजादी में योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों एवं अमर वीर बलिदानियों को नमन किया। डॉ. चंदेल ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी को आजाद हुए आठ दशक हो रहे हैं। इस दौरान भारत ने काफी प्रगति की है और विभिन्न क्षेत्रों में तीव्र विकास हुआ है। इसके बावजूद देश के समक्ष अनेक चुनौतियां भी विद्यमान हैं जिनमें देश को कृषि उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर

बनाना भी है। डॉ. चंदेल ने कृषि वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों से देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने हेतु अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के छात्रों को कृषि की उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करने के लिए देश के लगभग 70 से अधिक अग्रणी विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थाओं के साथ एम.ओ.यू. किया गया है। इस वर्ष विश्वविद्यालय के दो वैज्ञानिकों एवं पांच विद्यार्थियों का विदेशी शिक्षण संस्थानों में शोध अध्ययन हेतु चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर एवं शोधार्थी छात्र एवं छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित संगोष्ठियों में बेस्ट पोस्टर, बेस्ट प्रेजेंटेशन आदि अवार्ड प्राप्त किये। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों ने भी राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट सांइटिस्ट, बेस्ट एग्रीकल्चर इंजिनियर आदि अवार्ड प्राप्त किया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए वाट्सएप चैट बोट प्ळङ्गट ब्वददमबज का लोकार्पण भी किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के शोध विद्यार्थियों एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को बेस्ट सर्वश्रेष्ट रिसर्च पब्लिकेशन हेतु सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के खेल-कूद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र-छात्राओं, खेलकूद एवं एन.सी.सी. के कैडेट्स एवं एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले प्राध्यापकों/वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में कुलसचिव श्री डॉ. कपिल देव दीपक, विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक त्रिपाठी, निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा, निदेशक शिक्षण डॉ. विजय कुमार, निदेशक प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. नितिन रस्तोगी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.पी. त्रिपाठी, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. सेंगर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस अवसर पर तिरंगा रैली का आयोजन भी किया गया।

राज्यपाल डेका से चेन्नई के पत्रकारों ने सौजन्य भेंट की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में पत्र सूचना कार्यालय चेन्नई के निदेशक श्री पी. अरूण कुमार के नेतृत्व में चेन्नई से आए पत्रकारों के दल ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ में हो रहे विकास कार्यों, विशेष रूप से बस्तर में नक्सलवाद की समाप्ति के बाद तेजी से हो रहे विकास तथा उद्योग-व्यापार की बढ़ती संभावनाओं के संबंध में चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद की समाप्ति के पश्चात लोग तेजी से विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी है। रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ में उद्योग और व्यापार की बढ़ती संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से व्यापारी और उद्योगपति यहां आकर निवेश एवं व्यवसाय के लिए रुचि दिखा रहे हैं। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है और यहां वनोपज, कृषि, उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने पत्रकारों को छत्तीसगढ़ के वन उत्पाद भेंट किए तथा शाल पहनाकर उनका सम्मान किया। उन्हें स्मृति चिह्न भी प्रदान किए गए। पत्रकारों ने राज्यपाल को चेन्नई के महाबलीपुरम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना भी उपस्थित थे।

अमृत सरोवरों के तट पर मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर जांजगीर-चांपा जिले में राष्ट्रप्रेम के साथ जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। शासन के निर्देशानुसार जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में निर्मित अमृत सरोवरों के तट पर स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किए गए। इन आयोजनों में पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अमृत सरोवरों पर पौधारोपण और श्रमदान से दिया ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व की जानकारी देते हुए वर्षा जल को सहेजने, जल स्त्रोतों के संरक्षण तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। अमृत सरोवरों को जल संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता के जीवंत केंद्र के रूप में विकसित करने का संदेश दिया गया। 'विकसित भारत-जी राम जी योजना' की दी गई जानकारी कार्यक्रमों के दौरान ग्रामीणों को 'विकसित भारत-जी राम जी योजना' के उद्देश्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण तथा गांवों के समग्र विकास में इसकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के साथ-साथ गांव के विकास, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। देशभक्ति एवं जनजागरूकता से जुड़े आयोजन स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर विभिन्न ग्राम पंचायतों में देशभक्ति गीत, तिरंगा यात्रा, नुक्कड़ नाटक, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं सहित विविध सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की गईं। इन आयोजनों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को जनभागीदारी से जोड़ते हुए राष्ट्रप्रेम के साथ जल, पर्यावरण और ग्रामीण विकास के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर मंडल परिसर में शान से लहराया तिरंगा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री रामप्रताप सिंह ने नया रायपुर स्थित ऑफिस कॉम्प्लेक्स के मंडल परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ किया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान हुआ तथा देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अध्यक्ष श्री रामप्रताप सिंह ने कहा कि देश की स्वतंत्रता असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का अमूल्य परिणाम है। उनके आदर्शों और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर हम सभी को राष्ट्रहित एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी निष्ठा,

ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराती है। देश की एकता, अखंडता और प्रगति को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका पूरी जिम्मेदारी के साथ निभानी होगी। कार्यक्रम में नागरिक आपूर्ति निगम मंडल के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री विजय गोयल, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के सचिव श्री गिरीश रामटेके सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहइस अवसर पर 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के संदर्भ में स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम को स्मरण किया गया।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल में गरिमामय ढंग से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंडल मुख्यालय में किया ध्वजारोहण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल में उत्साह, उमंग और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंडल मुख्यालय में मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह में मंडल आयुक्त श्री अवनीश कुमार शरण सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडल के प्रदेशभर में स्थित सभी संभागीय एवं संपदा

कार्यालयों में भी गरिमामय ढंग से ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर सेनानियों और वीर सपूतों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान को स्मरण करने का दिन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के समग्र विकास में मंडल अपनी भूमिका को और प्रभावी ढंग से निभा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल का प्रमुख दायित्व प्रदेशवासियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना उपलब्ध कराना है। मंडल आयुक्त श्री अवनीश कुमार शरण ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। मंडल के प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का दायित्व है कि वे ईमानदारी, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्रदेश के नागरिकों को बेहतर आवास एवं सेवाएं उपलब्ध कराएं।

बस्तर क्रिएटर हब स्टूडियो का उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने जगदलपुर स्थित लाला जगदलपुरी ग्रंथालय परिसर में स्थापित बस्तर क्रिएटर हब स्टूडियो का शुभारंभ किया। आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित यह क्रिएटर हब बस्तर के युवाओं, नवाचारी लोगों और स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी रचनात्मकता एवं विचारों को व्यापक मंच तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करेगा। शुभारंभ के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने क्रिएटर हब की विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया और यहां उपलब्ध आधुनिक तकनीकी संसाधनों की जानकारी ली। उन्होंने युवाओं को डिजिटल माध्यमों से अपनी प्रतिभा को सामने लाने और बस्तर की कला, संस्कृति, परंपरा, पर्यटन एवं विकास की सकारात्मक तस्वीर देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया। पहले पॉडकास्ट में उप मुख्यमंत्री का इंटरव्यू बस्तर क्रिएटर हब के शुभारंभ के साथ ही इसके पहले पॉडकास्ट में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का इंटरव्यू भी रिकॉर्ड किया गया। उन्होंने बस्तर के विकास, युवाओं की भूमिका और नई तकनीकों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर उपलब्ध कराने सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। यह क्रिएटर हब बस्तर के युवाओं को कंटेंट

निर्माण, पॉडकास्ट, वीडियो, डिजिटल मीडिया और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से स्थानीय युवा अपने विचारों, अनुभवों और नवाचारों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर सकेंगे। बस्तर की प्रतिभाओं को मंच देने और स्थानीय विषयों को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने की दिशा में बस्तर क्रिएटर हब स्टूडियो एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित होने की उम्मीद है। इस अवसर पर इस अवसर पर महापौर श्री संजय पाण्डेय, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री दिनेश कश्यप सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि और कमिश्नर श्री डोमन सिंह, आईजी श्री बद्रीनारायण मीणा, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ श्री तन्मय खन्ना, सहायक कलेक्टर श्री यशवंत नाईक, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं क्रिएटर हब से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा